শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 235 | गुवाहाटी | रविवार, 24 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महुआ मोइत्रा के ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी — पेज 2
तीताबर में भाजपा युवा मोर्चा का रणडंका कार्यक्रम आयोजित — पेज 3
लोकतंत्र किसी को डकैती डालने की छूट नहीं देता : योगी आदित्यनाथ — पेज 5
महिला हॉकी टीम अब प्रो लीग मुकाबलों की तैयारी करेगी, सबिता पेरिस ... — पेज 7

मॉस्को में आतंकी हमला : 143 मौत, 11 गिरफ्तार

आज राष्ट्रीय शोक, खून का बदला खून से लेंगे : रूस

मॉस्को (हि.स./एजे)। रूस की राजधानी मॉस्को के क्रास्नोगोर्स्क शहर के क्रोकस सिटी हॉल (संगीत स्थल) में हुए आतंकवादी हमले में 143 से अधिक लोगों की मौत हो गई। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, यह हमला शुक्रवार शाम हुआ। तास ने रशियन जांच एजेंसी के एक सूत्र के हवाले से कहा है कि असॉल्ट राइफलों से लैस अज्ञात बंदूकधारियों ने क्रोकस सिटी हॉल में धावा बोला और गोलीबारी की। इस दौरान किए गए विस्फोट से इमारत हिल गई और उसमें आग लग गई। प्रारंभिक जांच में यह पुष्टि हुई है कि आतंकवादी हमले में 143 से अधिक लोग मारे गए। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। घटनास्थल पर अपराध और रूसी जांच समिति के विशेषज्ञ आंतरिक मामलों के मंत्रालय और संघीय सुरक्षा सेवा की संचालन इकाइयों के साथ मिलकर जांच कर रहे हैं। क्रास्नोगोर्स्क शहर के स्वास्थ्य विभाग ने घायलों की सूची जारी की है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, क्रोकस सिटी हॉल पर आतंकवादी हमले के बाद मॉस्को समयानुसार सुबह 2:00 बजे तक 80 लोगों को मॉस्को के अस्पतालों में ले जाया गया। विभाग ने अस्पताल में भर्ती लोगों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। इस बीच, मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने अगले दो दिनों में राजधानी में सभी सामूहिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। हमले के लगभग 24 घंटे के बाद शनिवार को राष्ट्रपति पुतिन ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कल यानी 24 मार्च को राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। पुतिन ने कहा कि हमलावरों ने यूक्रेन की तरफ भागने की कोशिश की। सभी को पकड़ लिया गया है, उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी। पुतिन ने कहा कि हमारे दुश्मन हमें बांट नहीं सकते। रूस ने अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 4 हमलावर हैं और 7 लोग उनकी मदद करने वाले बताए गए हैं। एक रिपोर्ट मुताबिक, रूस के सिक्योरिटी सर्विस के चीफ ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बताया है कि चार संदिग्ध सफेद रंग की कार में भागने की कोशिश कर रहे थे। इन्हें रूस-यूक्रेन बॉर्डर से पकड़ा गया। सभी को मॉस्को ले जाया जा रहा है। रूसी मीडिया हाउस आरटी की रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसियों ने बताया है कि आतंकी हमला पूरी प्लानिंग के साथ हुआ। हमलावरों के लिए पहले से ही क्रोकस सिटी हॉल में हथियार छिपाकर रखे हुए थे। जांच अभी जारी है। हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक कथित हमलावर अपना गुनाह कबूल कर रहा है। वो पूरी प्लानिंग के बारे में बता रहा है। हमलावर इस योजना के साथ आए थे कि वो हमला कर यूक्रेन की तरफ भागेंगे। 3 हमलावरों को तस्वीर भी जारी की गई है। हमला शुक्रवार रात (22 मार्च) को हुआ। इसकी जिम्मेदारी आईएसआईएस-के ने ली है। सेना जैसी वर्दी पहने 4 आतंकियों ने अंधाधुंध गोलियां चलाईं, बम फेंके और फरार हो गए। पहले आतंकियों की संख्या 5 बताई गई थी। सुबह हमले में 140 से ज्यादा लोगों के घायल होने की जानकारी दी गई थी। इधर, रूस के पूर्व राष्ट्रपति और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयरपर्सन दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि रूस खून का बदला खून से लेगा। आतंकवादी सिर्फ आतंक की भाषा ही समझते हैं। जब तक बल का मुकाबला बल से नहीं किया जाता और आतंकवादियों की मौत के साथ-साथ उनके परिवारों पर कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक किसी भी जांच का कोई मतलब नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि हम मॉस्को में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हैं। हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। दुख की इस घड़ी में भारत, रूस की सरकार और लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। इधर, रूस का कहना है कि आतंकियों ने पूरे हॉल को जलाने की कोशिश की थी। जांच के दौरान हॉल में कैमिकल्स मिले हैं। आतंकी संगठन आईएस ने आमाक न्यूज एजेंसी के जरिए बयान जारी किया। कहा कि इस्लामिक स्टेट के लड़ाकों ने रूस की राजधानी मॉस्को के बाहरी इलाके क्रास्नोगोर्स्क शहर में ईसाइयों की एक बड़ी सभा पर हमला किया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और घायल हो गए और उनके सुरक्षित रूप से अपने ठिकानों पर लौटने से पहले उस जगह पर भारी तबाही हुई। हमला करने के बाद हमारे लड़ाके मौके से भाग निकले। एक अन्य एजेंसी अपनी रिपोर्ट में एक्सपर्ट्स के हवाले से लिखा कि हमला आईएसआईएस की खुरासान विंग यानी आईएसआईएस-के ने किया। आईएसआईएस-के का नाम उत्तरपूर्वी ईरान, दक्षिणी तुर्कमेनिस्तान -शेष पृष्ठ दो पर

आईआईटी गुवाहाटी का छात्र आईएसआईएस में शामिल

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी, गुवाहाटी) में बॉयोटेक्नोलॉजी के अंतिम वर्ष का छात्र तौसीफ अली फारूकी आतंकवादी संगठन आईएसआईएस में शामिल हो गया है। वह अपने लिंक्डइन प्रोफाइल पर *एन ओपन लेटर* नाम से एक खुला पत्र लिखकर गायब हो गया। पत्र में फारूकी ने अपनी कट्टरपंथी मान्यताओं और भारतीय संस्थानों और समाज को त्यागने का कारण इस्लाम को बताया है। उसने आईएसआईएस-नियंत्रित क्षेत्र में अपने *हिजरत* (प्रवास) और संगठन के लिए लड़ने के अपने इरादे का खुलासा किया है। पत्र में उसने लिखा है कि -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल विस चुनाव एनपीपी की पहली सूची जारी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए नेशनलिस्ट पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने शनिवार को 29 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची का एलान किया है। गौरतलब है कि 19 अप्रैल को राज्य के विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होंगे। सूची में तीन मौजूदा विधायक और पूर्व मंत्री और तीन पूर्व विधायक शामिल हैं। हालांकि सूची में पहली बार चुनाव लड़ रहे 22 उम्मीदवार भी शामिल हैं। सूची पर नजर डाली जाए तो प्रमुख दावेदारों में दो बार के पूर्व विधायक और -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

असम सचिवालय की बिजली रात 9 बजे से सुबह 9 बजे के बीच काट दी जाएगी : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अर्थ आवर 2024 के मद्देनजर एक एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने सिफारिश की है कि मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और वित्त और गृह विभागों को छोड़कर, असम सचिवालय के सभी कार्यालयों में प्रतिदिन रात 9 बजे से सुबह 9 बजे के बीच अपने बिजली कनेक्शन स्वचालित रूप से काट दिए जाने चाहिए। इस बीच, असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) ने उपभोक्ताओं से 23 मार्च, 2024 (शनिवार) को *अर्थ आवर* मनाने का अनुरोध किया है। एपीडीसीएल ने विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के समर्थन में लोगों से 23 मार्च को रात 8:30 बजे से 9:30 बजे तक गैर-जरूरी लाइटें बंद करने की अपील की है। एपीडीसीएल ने एक्स पर लिखा कि एपीडीसीएल हमारे सम्मानित उपभोक्ताओं -शेष पृष्ठ दो पर

सोमालिया के 35 समुद्री लुटेरे गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने लाल सागर के पूर्व में 100 दिनों के समुद्री डकैती विरोधी अभियानों के बाद शनिवार को 35 सोमाली समुद्री लुटेरों को भारत लाकर मुंबई पुलिस को सौंप दिया है। सोमालिया समुद्री डाकुओं द्वारा अपहरण किए गए मालवाहक जहाज से भारतीय नौसेना ने 35 डाकुओं को गिरफ्तार किया है। एमवी रुएन मालवाहक जहाज को 14 दिसंबर, 2023 को सोमालियाई समुद्री डाकुओं द्वारा अपहरण कर लिया गया था। जहाज का जब अपहरण किया गया तो वह भारतीय तट से लगभग 1,400 समुद्री मील (2,600 किलोमीटर) दूर था। जिसके बाद अदन की खाड़ी और उत्तरी अरब सागर क्षेत्र में सबसे बड़ी राष्ट्रीय सेना ने सोमाली तट से अपहरण के तीन महीने बाद पिछले सप्ताह मालवाहक जहाज रुएन से समुद्री डाकुओं को गिरफ्तार कर लिया और मुंबई पुलिस को सौंप दिया। यमन के ईरानी समर्थित हूती आतंकवादियों द्वारा लाल सागर में हमलों से शिपिंग की रक्षा करने पर पश्चिमी बलों के फोकस का लाभ उठाते हुए समुद्री लुटेरों ने नवंबर से अब तक 20 से अधिक अपहरण किए हैं या प्रयास किए हैं, जिससे बीमा और सुरक्षा लागत बढ़ गई है और वैश्विक शिपिंग कंपनियों के लिए संकट बढ़ गया है। भारत की नौसेना ने कहा कि हमास के खिलाफ इजरायल के युद्ध के दौरान गाजा में फलिस्तीनियों के साथ एकजुटता का दावा करने वाले हूती आतंकवादियों के हमलों और समुद्री डकैती में वृद्धि के साथ, नवंबर के बाद से क्षेत्र के माध्यम से वाणिज्यिक यातायात आधा हो गया है, क्योंकि जहाज दक्षिणी अफ्रीका के आसपास लंबा रास्ता -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

केजरीवाल को दिल्ली हाईकोर्ट का झटका

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट से अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने केजरीवाल की ओर से अपनी गिरफ्तारी और ईडी की रिमांड के खिलाफ तत्काल सुनवाई की याचिका दायर की है, जिसपर हाईकोर्ट ने तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट केजरीवाल की अर्जी पर 27 मार्च यानी होली के बाद बुधवार को सुनवाई करेगा। अरविंद केजरीवाल के वकील की ओर से हाई कोर्ट से इस मामले में तत्काल सुनवाई करने का आग्रह किया गया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को अपनी गिरफ्तारी और -शेष पृष्ठ दो पर

सबसे बड़ी ठगी : ऑर्डर पर मंगवाई 1000 कारें, अब तक भुगतान नहीं

प्योंगयोंग। कारों की दुनिया की सबसे बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। दुनिया में बड़े-बड़े सौदे और कारोबार विश्वास पर चलते हैं लेकिन फिर भी एक कहावत बड़ी काम की है कि आज नकद कल उधार। लेकिन उत्तर कोरिया की सरकार ने कार खरीदारी में ऐसी उधारी लगाई जिसका भुगतान आज तकरीबन 50 साल बीत जाने के बाद भी नहीं किया गया। इस उधारी का बही-खातों में आंकड़ा 320 मीलियन डॉलर से भी आगे निकल चुका है। इसे कारों की दुनिया की सबसे बड़ी ठगी भी कहा जाता है। 1970 के दशक में, स्वीडिश कार निर्माता कंपनी वोलवो अपना नेटवर्क विस्तार करने में लगी थी। घरेलू बाजार के अलावा कंपनी दूसरे देशों में भी -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए भारतीय नागरिक को नागरिकता से वंचित नहीं करता : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। एक बहुलवादी और लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में देश के समृद्ध इतिहास को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को जोर देकर कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) किसी भी भारतीय नागरिक को उसकी नागरिकता से वंचित नहीं करता है। उन्होंने कहा कि सीएए के माध्यम से हाल के कदमों का उद्देश्य किसी भी मौजूदा नागरिक के अधिकारों का उल्लंघन किए बिना पड़ोस में सताए गए धार्मिक अल्पसंख्यकों को राहत -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

लापरवाही अथवा आलस्य से भेद खुल जाता है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

हिमाचल : छह बागी विधायक भाजपा में

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश में बड़ा झटका लगा है। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के कारण अयोग्य ठहराए गए छह पूर्व विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। उनके साथ-साथ तीन निर्दलीय विधायक भी भाजपा में शामिल हुए हैं। शनिवार को यहां भाजपा मुख्यालय में हिमाचल प्रदेश के तीन निर्दलीय विधायक- आशीष शर्मा, केएल ठाकुर और होशियार सिंह हिमाचल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। इसके साथ कांग्रेस के -शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर में सैलानियों से गुलजार हुआ ट्यूलिप गार्डन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन सभी सैलानियों और आम नागरिकों के लिए खुल गया है। कश्मीर की वादियों के बीच डल झील के किनारे पर बसा ये भव्य पहाड़ियों वाला गार्डन 55 हेक्टेयर के बगीचे में फैला हुआ है। हर साल मार्च के महीने में लाखों की तादाद में लोग इस गार्डन का दीदार करने आतें हैं। यहां खिलने वाले कई रंगों के ट्यूलिप का दीदार करना मन को बेहद सुकून और शांति देता है। यहां शनिवार से ही लोगों का तांता बना हुआ है। हालांकि अभी ट्यूलिप का गार्डन नहीं खुला है फिर भी सैलानियों के लिए ये फूल ही सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र रहे। ट्यूलिप गार्डन का पूरा नाम इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन है, जिसे पहले सिराज बाग के नाम से जाना जाता था। आधिकारिक रूप से 23 मार्च को ट्यूलिप गार्डन के दरवाजे पर्यटकों के लिए खोल दिए गए हैं। अधिकारियों की तरफ से बताया गया है कि इस साल ट्यूलिप गार्डन में 5 नई प्रकार के ट्यूलिप के फूल खिलेंगे और सभी को देखने को मिलेंगे। इस साल धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले इस कश्मीर में घूमने आएं सभी सैलानी कुल 73 प्रकार के ट्यूलिप के फूल गार्डन में देख सकेंगे। 55 हेक्टेयर के क्षेत्र में फैले गार्डन में 17 लाख ट्यूलिप के बल्ब से इस साल पेड़ों को उगाया गया है, जिनमें चटख रंगों वाले -शेष पृष्ठ दो पर

जयपुर में बॉयलर फटने से पांच मजदूरों की मौत, चार की हालत गंभीर

जयपुर। राजस्थान के जयपुर जिले में एक कैमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगने से 5 लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है। आग लगने की खबर के बाद मौके पर कई दमकल की गाड़ियों को भेजा जा रहा है। वहीं यहां पर कई लोगों के गंभीर होने की खबर भी सामने आई है। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से हॉस्पिटल भेजा रहा है। जहां उनके इलाज की व्यवस्था की गई है। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला बस्सी थाना क्षेत्र के बैनाड़ा का है। यहां मौजूद एक कैमिकल फैक्ट्री में शाम करीब 6.30 बजे भीषण विस्फोट की आवाज सुनाई दी। घटना के तुरंत बाद फैक्ट्री के अंदर से ऊंची-ऊंची लपटें निकलना शुरू हो गई। यहां काम कर रहे लोग अपनी जान बचाकर बाहर की ओर भागे। पूरे मामले की जानकारी तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। इसके बाद मौके पर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

SÙor all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd SÙloor, Shoppers Point, SÙancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

महुआ मोइत्रा के ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी

कोलकाता (हि.स.)। घूस लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में संसद से निष्कासित तृणमूल कांग्रेस नेत्री महुआ मोइत्रा की मुश्किलें दोबारा बढ़ गई हैं। शुक्रवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने उनके कोलकाता समेत अन्य ठिकानों पर छापेमारी की है। सीबीआई इस मामले में तृणमूल नेता के कोलकाता के अलीपुर स्थित आवास और अन्य स्थानों पर तलाशी ले रही है। केंद्रीय एजेंसी के एक सूत्र ने बताया कि सीबीआई ने लोकपाल के निर्देश पर एफआईआर दर्ज की है। लोकपाल ने मंगलवार को सीबीआई को घूस लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में महुआ मोइत्रा के खिलाफ लगाए गए आरोपों के सभी पहलुओं की जांच का आदेश दिया था। साथ ही छह महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपने को कहा था। उल्लेखनीय है कि घूस लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में पिछले साल दिसंबर को महुआ मोइत्रा को सांसद पद से हाथ धोना पड़ा था। लोकसभा ने इस मामले में अपनी आचार समिति की रिपोर्ट को आधार बनाया था, जिसमें रुपए लेकर सवाल पूछने के मामले में उन्हें दोषी ठहराया गया था। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने महुआ के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष के पास शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने कहा था कि महुआ ने अडानी के खिलाफ संसद में प्रश्न पूछने के लिए दुबई स्थित व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से नकद और उपहार लिए थे।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मन विदेश मंत्रालय की टिप्पणी, भारत ने जताया कड़ा विरोध

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में गिरफ्तार किए गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जर्मन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणियों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इसे भारत के आंतरिक मामलों में दखल बताते हुए नई दिल्ली स्थित जर्मन मिशन के उप प्रमुख को मंत्रालय में तलब किया गया। इस संबंध में की गई पक्षपातपूर्ण धारणाएं अत्यंत अनुचित हैं। विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में जानकारी साझा की है। मंत्रालय ने कहा है कि नई दिल्ली में जर्मन मिशन के उप प्रमुख जॉर्ज एन्जवीलर को आज बुलाया गया और हमारे आंतरिक मामलों पर उनके विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणियों पर भारत के कड़े विरोध से उन्हें अवगत कराया। साथ ही उनसे कहा गया कि भारत ऐसी टिप्पणियों को हमारी न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप और हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के रूप में देखता है। भारत कानून के शासन वाला एक जीवंत और मजबूत लोकतंत्र है। दिल्ली के आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह 28 मार्च तक ईडी की हिरासत में हैं। जर्मन विदेश मंत्रालय ने कहा था कि हमने ध्यान दिया है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। हम मानते हैं और उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांतों से संबंधित मानकों को इस मामले में भी लागू किया जाएगा।

होली स्पेशल कुछ ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव की व्यवस्था

गुवाहाटी (हिंस)। होली के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को कम करने के लिए चार जोड़ी और होली स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि कटिहार से चंडीगढ़ और उदयपुर सिटी की ओर दोनों दिशाओं में दो स्पेशल ट्रेनें, अगरतला से गोरखपुर के लिए दोनों दिशाओं से एक ट्रेन और न्यू जलपाईगुड़ी से हावड़ा तक एक अन्य वन-वे स्पेशल ट्रेन चलाई जाएंगी। ट्रेन संख्या 04538 (चंडीगढ़-कटिहार) 23 मार्च को चंडीगढ़ से शाम 07:15 बजे रवाना होकर अगले दिन अपने गंतव्य कटिहार रात 11:45 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04537 (कटिहार-चंण्डीगढ़) 25 मार्च को कटिहार से सुबह 04:00 बजे रवाना होकर अगले दिन अपने गंतव्य चंडीगढ़ सुबह 09:40 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 09623 (उदयपुर सिटी-कटिहार) 26 मार्च (मंगलवार) को उदयपुर सिटी से शाम 04:05 बजे रवाना होकर गुरुवार को अपने गंतव्य कटिहार अहले सुबह 02:45 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09624 (कटिहार-उदयपुर सिटी) 28 मार्च (गुरुवार) को कटिहार से दोपहर 03:00 बजे रवाना होकर शनिवार को अपने गंतव्य उदयपुर सिटी सुबह 04:15 बजे पहुंचेगी।

पाकिस्तान की किरकिरी : एनएचआरसी में गिलगित-बाल्टिस्तान और पीओके की दुर्दशा उजागर

जनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पाकिस्तान सरकार द्वारा अपनाई गई नीतियों की जमकर आलोचनाएं की गई। शुक्रवार को एनईपी-जेकेजीबीएल (राष्ट्रीय समानता पार्टी जम्मू कश्मीर, गिलगित बाल्टिस्तान और लद्दाख) द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया था और इसमें कई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया था। कार्यक्रम से जुड़ी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर केंद्रित था, खासकर जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के क्षेत्रों से जुड़ा था। ग्रीक के पूर्व सांसद बोगडानोस ने अपने संबोधन में कहा कि पश्चिमी देशो के नागरिकों को भी इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए, भले ही ये क्षेत्र हमारे सीमाओं से दूर क्यों न हो। कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उन्होंने पाकिस्तान सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए अपनाई गई नीतियों और क्षेत्र के सैन्यीकरण, समृद्ध क्षेत्रों को शत्रुतापूर्ण स्थानों में बदलने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमारा देश इस तरह के उत्पीड़न के हमेशा खिलाफ रहा है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान की दुर्दशा पर चर्चा के दौरान इस क्षेत्र के मूल निवासी त्सेंज त्सेरिंग ने कहा कि यह क्षेत्र समृद्ध होने के बावजूद यहां की आबादी गरीबी में जी रही है, जिनके पास किसी भी तरह की चिकित्सा बुनियादी ढांचे, खाद्य सुरक्षा तक नहीं है। पाकिस्तान की ओर से किसी भी ठोस कदम न उठाए जाने की उन्होंने आलोचना की है।

ऐसी सलाखें नहीं बनीं जो आपके बेटे को अंदर रख सकें

पत्नी सुनीता ने पढ़ा अरविंद केजरीवाल का संदेश

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उनकी पत्नी सुनीता ने शनिवार को पहली बार एक संदेश पढ़ा जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी जिंदगी का प्रत्येक क्षण देश की सेवा के लिए समर्पित रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत से दिए एक संदेश में दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी जेल उन्हें अंदर नहीं रख सकती है और वह जल्द ही लौटेंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि ऐसा कभी नहीं हुआ कि वह कोई भी वादा पूरा करने में असफल रहे हों। उन्होंने महिलाओं को उस योजना के क्रियान्वयन का भी आश्वासन दिया जिसके तहत योग्य लाभार्थियों को हर महीने 1,000 रुपए दिए जाएंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अब रद्द की जा चुकी आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले के संबंध में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद 28 मार्च तक एजेंसी की हिरासत में हैं। केजरीवाल ने कहा कि अंदर रहूं या बाहर रहूं, मेरी जिंदगी का हर क्षण देश की सेवा को समर्पित है। मेरे खून का एक-एक कतरा देश को समर्पित है। उन्होंने कहा कि उनका जन्म संघर्षों के लिए हुआ है और वह भविष्य में भी बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार हैं। केजरीवाल ने यह भी कहा कि भारत को दुनिया का सबसे मजबूत और महान देश बनाना है। उन्होंने कहा कि कुछ आंतरिक और बाहरी ताकतें देश को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं और इनसे लड़ने की जरूरत है। *आप* नेता ने महिलाओं से मंदिरों में जाने और उनके लिए आशीर्वाद मांगने की भी अपील की। बता दें कि, शराब घोटाले मामले में ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां केजरीवाल को 7 दिन की ईडी की रिमांड पर भेजा गया है। पत्नी सुनीता केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख की गिरफ्तारी दिल्ली के लोगों के साथ धोखा है। सुनीता केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि आपके तीन बार चुने गए मुख्यमंत्री को मोदी जी ने सत्ता के अहंकार में गिरफ्तार करवाया। सभी को कुचलने में लगे हैं। यह दिल्ली के लोगों के साथ धोखा है। आपके मुख्यमंत्री हमेशा आपके साथ खड़े रहे हैं। अंदर (जेल) रहें या बाहर, उनका जीवन देश के लिए समर्पित है। जनता जनार्दन है, सब जानती है। जय हिन्द।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने शरिया पर गृह मंत्री के बयान को बताया भ्रामक

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने समान नागरिक संहिता के संबंध में शाह के बयान को भ्रामक करार दिया है। दरअसल, हाल ही में एक टीवी इंटरव्यू के दौरान अमित शाह से पूछा गया था कि क्या मुसलमानों को शरिया और हदीस के तरीके से रहने का हक नहीं है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि ये एक तरह की भ्रांति है। देश का मुस्लिम शरिया और हदीस के हिसाब से 1937 से नहीं रह रहा है। अंग्रेजों ने जब मुस्लिम पर्सनल लॉ बनाया। उसमें से क्रिमिनल एलिमेंट क्यों निकाल दिया। ऐसे होता तो चोरी करने वालों के हाथ काट दो। दुष्कर्म करने वालों को बीच सड़क पर पत्थर मारकर मार देना चाहिए। कोई मुसलमान सेविंग अकाउंट नहीं खोल सकता, ब्याज नहीं ले सकता है, लोन नहीं ले सकता है। शरिया और हदीस से जीना है तो पूरी तरह से जीना चाहिए। सिर्फ चार शादी करने के लिए शरिया और हदीस क्यों याद आता है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि यह कानून आपराधिक सजा के लिए लागू किया जाता है। समान नागरिक संहिता से इसका कोई लेना देना नहीं है। यह कानून उस देश में लागू किया जाता है जहां पूर्ण इस्लामी शरिया लागू है। रहमानी ने ध्यानाकर्षण कराते हुए कहा कि यह सभी चीजें केवल इस्लामी शरिया कानून में नहीं हैं बल्कि यह सभी धर्मों का सामान्य कानून है। मनुस्मृति में ही चोरी और व्यभिचार की सजा अंग-भंग बताई गई है। व्यभिचार की सजा के रूप में महिला को भूखे कुत्तों के आगे फेंक देने की बात कही गई है ताकि वे उसे काटकर खा जाएं। व्यभिचारी पुरुष को आग से गरम किए हुए लोहे के बिछौने पर डाल दिया जाए ताकि उसे जलाकर मार डाला जाए, यदि वह बलपूर्वक व्यभिचार करे तो उसका पुरुष अंग काट दिया जाए, हालांकि ब्राह्मण को इन दंडों से छूट दी गई है, इसके लिए उसका सिर मुंडवाना ही काफी होगा। इसी प्रकार वेदों में भी सूदखोरी को प्रतिबंधित किया गया है। हिंदू धर्म और इस्लाम सहित दुनिया भर में जितने भी धर्म हुए हैं उनमें नैतिक मूल्यों को शामिल किया गया है। इसे बहुत महत्व दिया गया है और उन्हें स्थापित करने के लिए दो चीजें की गई हैं, एक ऐसा वातावरण बनाना, जिससे लोगों के लिए अपराध से बचना आसान हो, दूसरा यह कि दंड इतना कठोर रखा जाए कि लोग डर जाएं। इसलिए ऐसे उदाहरण देकर इस्लामी शरीयत को महज बदनाम करना और पक्षपातपूर्ण है। मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कहा कि इस्लाम में कुछ अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान तो है लेकिन इसके लिए अपराध से बचने के लिए एक सहयोगी माहौल भी बनाया गया है। इस्लाम में शराब पर भी कड़ी सजा दी गई है लेकिन जहां संपूर्ण इस्लामी शरीयत लागू होगी वहां न तो शराब की फैक्टरियां होंगी और न ही वाइन बार। इस्लाम में व्यभिचारी को कड़ी सजा दी जाती है लेकिन इसके साथ-साथ पूरी पर्दा व्यवस्था रखी गई है। जहां पूरी इस्लामी शरिया लागू होगी पुरुषों और महिलाओं का मिश्रण नहीं होगा। दोनों के लिए अलग-अलग कक्षाएं होंगी, हर क्षेत्र में महिलाओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं होंगी। जाहिर है कि वहां भ्रष्टाचार के मामले अपने आप कम हो जाएंगे। क्योंकि इस्लामी सरकार प्रत्येक नागरिक की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए बाध्य होगी ताकि चोरी और डकैती की घटनाएं न हों और अगर कोई व्यक्ति भूख और भुखमरी के कारण चोरी करता है तो उसे चोरी की सजा नहीं दी जाएगी। यही कारण है कि सऊदी अरब और उन क्षेत्रों में जहां कभी शरिया दंड को सजा के रूप में लागू किया गया था, अपराध दर शून्य हो गई थी। इसके विपरीत जहां अपराध को रोकने के लिए माहौल बनाने के लिए कोई काम नहीं किया गया था और केवल कड़ी सजाएं निर्धारित की गई थीं वहां पर अपराध पर काबू नहीं पाया जा सका वहां पर अपराधियों की संख्या बढ़ती ही चली गई। उदाहरण के तौर पर हमारा प्यारा देश भी उसी में शामिल है।

पृष्ठ एक का शेष

मॉस्को में आतंकी हमला ...

और उत्तरी अफगानिस्तान में आने वाले क्षेत्र के नाम पर रखा गया है। यह संगठन सबसे पहले 2014 में पूर्वी अफगानिस्तान में एक्टिव हुआ। तब रूस के उग्रवादी समूहों के कई लड़ाके इसमें शामिल होने सीरिया पहुंच गए। ये पुतिन और उनके प्रोपागेंडा का विरोध करते हैं। इनका कहना है कि पुतिन की सरकार चेचन्या और सीरिया में हमले कर मुसलमानों पर अत्याचार करती है। अफगानिस्तान ने मुसलमानों पर इसी तरह के अत्याचार रूस ने सोवियत काल के दौरान किए थे। रूस के हमले में यूक्रेन का हाथ होने का शक जताया था। इस पर यूक्रेन ने बयान जारी करते हुए कहा था कि हम इस तरह के आरोपों को यूक्रेन विरोधी उन्माद को बढ़ावा देने के रूप में मानते हैं।अंतरराष्ट्रीय समुदाय में यूक्रेन को बदनाम करने का तरीका है। हमारे देश के खिलाफ रूसी नागरिकों को लामबंद किया जा रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 7 मार्च को रूस में मौजूद अमेरिकी दूतावास ने किसी बड़े हमले की चेतावनी दी थी। दूतावास ने कहा था कि चरमपंथी मॉस्को में म्यूजिक कॉन्सर्ट में हमला करने की साजिश रच रहे हैं। दूतावास ने एडवाइजरी जारी करते हुए रूस में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से अगले 48 घंटे तक किसी भी बड़ी सभा में नहीं जाने को कहा है। वहीं, पुतिन ने अमेरिकी दूतावास के हमले की चेतावनी दिए जाने की निंदा की थी। फिलहाल व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा कि फिलहाल ज्यादा जानकारी नहीं दे सकते हैं। हमले की तस्वीरें बहुत भयानक हैं। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि हमला उस वक्त हुआ जब हॉल में प्रसिद्ध रूसी रॉक बैंड पिकनिक का कॉन्सर्ट चल रहा था। घायलों की मदद के लिए घटनास्थल पर 70 एंबुलेंस भेजी गईं साथ ही एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। आतंकवादी ऑटोमैटिक हथियारों के साथ बिल्डिंग के एंट्री गेट पर पहुंचे और गोलीबारी शुरू की। चश्मदीदों के मुताबिक, हमलावरों की दाढ़ी थी। उनके पास एके सीरीज के हथियार थे। उन्होंने मेन गेट बंद किया और लोगों को नजदीक से गोली मारीं। हॉल की बालकनी में मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी विटैली ने कहा कि मैंने गोलीबारी की आवाज सुनी। पहले तो समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है। फिर देखा कि कुछ हमलावर लोगों को गोलियां मार रहे हैं। उन्होंने कुछ पेट्रोल बम भी फेंके और आग फैल गई। हम बाहर निकलने के लिए भागे। मौके पर पहुंची स्पेशल फोर्स, पुलिस, दंगा रोधी टीमों ने बेसमेंट में फंसे 100 लोगों का रेस्क्यू किया। पुलिस, दंगा नियंत्रण यूनिट समेत फोर्स की अलग-अलग यूनिट मौके पर तैनात हैं। हेलिकॉप्टर से हॉल के ऊपर लगी आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रूसी अधिकारियों ने कहा कि मॉस्को के हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अन्य मॉल और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। लोगों की जांच की जा रही है। मालूम हो कि क्रोकस सिटी हॉल को साल 2009 में क्रास्नोगोर्स्की में बनाया गया था। इसमें तीन अलग-अलग ऑडिटोरियम हैं। जिसमें से एक ही क्षमता 7 हजार दूसरे की क्षमता 4 हजार से अधिक लोगों की है। इसमें एक थिएटर भी है जिसमें 3 हजार लोग बैठ सकते हैं। क्रोकस सिटी हॉल में साल 2013 में मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता भी हो चुकी है। क्रोकस सिटी हॉल मॉस्को क्षेत्र में सबसे बड़े और सबसे लोकप्रिय संगीत स्थलों में से एक है।

आईआईटी गुवाहाटी का...

उसकी इस मार्ग पर यात्रा गुवाहाटी के पान बाजार से शुरू होगी। पत्र में फारूकी ने अल्लाह में आस्था, धर्मनिरपेक्षता से मोहभंग कि काफिरों से नाता तोड़ने और हिजरत के आह्वान के बारे में लिखा है। पत्र में कुरान की कुछ आयतों की व्याख्या करके अपने कार्यों को उचित ठहराया है। आज इस मुद्दे को लेकर गुवाहाटी में काफी चर्चाएं हो रही है। उसके द्वारा कुरान शरीफ का हवाला दिए जाने को लेकर काफी प्रतिक्रियाएं हो रही है। कई लोगों ने सवाल उठाया कि क्या कुरान शरीफ आतंकवादी बनने के लिए प्रेरित करता है? या फिर इस्लाम का नाम लेकर गुंडे बदमाश समाज को अशांत करके अपना उल्लू सीधा करना चाह रहे हैं? गुवाहाटी के एक नागरिक ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर कहा कि ऐसे लोगों को आईआईटी जैसे संस्थानों में शिक्षा देकर न सिर्फ देश का धन बर्बाद करना है, बल्कि आस्तीन में सांप पालने जैसा है। ज्ञात हो कि ठीक 24 घंटे पहले असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा धुबड़ी जिले में भारत बांग्लादेश सीमा पर आईएसआईएस के दो कट्टर आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था।

अरुणाचल विस चुनाव...

पार्टी की राज्य इकाई के वर्तमान अध्यक्ष थांगवांग वांगम हैं, जो लोंगडिंग जिले के लोंगडिंग-पुमाओ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने कहा कि पूर्व मंत्री जापू डेरू बोमडिला निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लडेंगे, जबकि पूर्व विधायक तानी लोफा और डिक्टो येकर क्रमश: सेप्पा पश्चिम और दापोरिजो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेंगे। मौजूदा निर्दलीय विधायक कारिखो क्रि को भी टिकट दिया गया है, जो तेजू निर्वाचन क्षेत्र से फिर से चुनाव लडेंगे। वहीं मौजूदा एनपीपी विधायक गोकर बसर, बसर सीट से फिर चुनावी मैदान में होंगे। कालातांग निर्वाचन क्षेत्र से मौजूदा भाजपा विधायक दोरजी वांग्दी कर्मा, जिन्हें टिकट नहीं दिया गया था, अब एनपीपी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के नेतृत्व वाली एनपीपी द्वारा पूर्वोत्तर राज्य की दो लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवार खड़ा करने से परहेज करने और इसके बजाए भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन करने का निर्णय, नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ उसके गठबंधन को दर्शाता है। एनपीपी के राष्ट्रीय सचिव जेम्स संगमा ने कहा कि पार्टी ने उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देने से पहले राज्य नेतृत्व के साथ कई समीक्षा बैठकें कीं। उन्होंने एनपीपी के तेजी से विकास पर भरोसा जताया और इसे भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के साथ देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाले राजनीतिक दलों में शामिल किया। संगमा ने भविष्य में किसी पूर्वोत्तर उम्मीदवार के प्रधानमंत्री बनने की संभावना को लेकर भी आशा व्यक्त की। गौरतलब है कि अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने हैं, विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती 2 जून को और लोकसभा चुनाव के लिए 4 जून को होगी। जबकि भाजपा ने सभी विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है, कांग्रेस ने अब तक 34 उम्मीदवारों की घोषणा की है, एनसीपी (17) और क्षेत्रीय पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) ने दो उम्मीदवारों की घोषणा की है।

असम सचिवालय की ...

से डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के समर्थन के रूप में 23 मार्च 2024 शनिवार को रात 8:30 बजे से 9:30 बजे तक गैर-जरूरी लाइटें बंद करके अर्थ आवर मनाने का अनुरोध करता है। अर्थ आवर, विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की एक पहल, एक विश्वव्यापी जमीनी स्तर का अभियान है जो पृथ्वी की सुरक्षा के लिए पर्यावरणीय मुद्दों पर कार्रवाई का आह्वान करता है। वार्षिक कार्यक्रम में वैश्विक स्तर पर व्यक्तियों, समुदायों, व्यवसायों और सरकारों को स्थानीय समयानुसार रात 8:30 से 9:30 बजे तक एक घंटे के लिए गैर-जरूरी रोशनी बंद करने के लिए कहा जाता है। यह आंदोलन 2007 में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ द्वारा सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में एक प्रतीकात्मक कार्य के रूप में शुरू किया गया था। जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में लाखों लोगों ने अपनी लाइटें बंद करके भाग लिया। अपनी स्थापना के बाद से, अर्थ आवर एक विशाल जमीनी स्तर के आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है, जिसने 190 देशों में लाखों लोगों को एकजुट किया है।

सोमालिया के 35 ...

अपनाते हैं। भारतीय कमांडो द्वारा पकड़े गए समुद्री डाकुओं के खिलाफ समुद्री डकैती रोधी अधिनियम 2022 के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस प्रावधान के तहत आजीवन कारावास की सजा का भी सामना करना पड़ सकता है। यह कानून नौसेना को खुले समुद्र में समुद्री डाकुओं को पकड़ने और गिरफ्तार करने में सक्षम बनाता है। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने ऑपरेशन के 100वें दिन के अवसर पर एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सोमालियाई समुद्री डाकू अन्य जहाजों पर हमले करने के लिए रुएन को अपने *मदर शिप* के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। वहीं, कमांडो ने चालक दल के सभी 17 सदस्यों को बचा लिया है।

केजरीवाल को दिल्ली...

ईडी रिमांड को चुनौती देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था। उन्होंने 24 मार्च को तत्काल सुनवाई की मांग की थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दो घंटो की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार (21 मार्च) को अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में ईडी को उनके खिलाफ कार्रवाई करने से रोकने की मांग की गई थी। ईडी की ओर से जारी नौवें समन के बाद अरविंद केजरीवाल ने हाई कोर्ट का रुख किया था, जिसमें उन्हें 21 मार्च को पेश होने के लिए कहा गया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने समन को अवैध बताते हुए बार-बार एजेंसी के सामने पेश होने से इनकार कर दिया था। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को शुक्रवार (22 मार्च) को स्पेशल जज कावेरी बावेजा के सामने पेश किया गया, जहां उन्हें 6 दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया गया।

सबसे बड़ी ठगी ...

व्यापार बढ़ाने की योजना बना रही थी। इसी बीच वोल्वो को उत्तर कोरिया में बेहतर संभावनाएं दिखी। उस वक्त उत्तर कोरिया आर्थिक रूप से सबसे मजबूत देशों में से एक बनकर उभर रहा था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 1970 के दशक में नार्थ कोरिया की सरकार ने स्विडन की प्रमुख कार निर्माता कंपनी वोलवो को भारी मात्रा में कारों का ऑर्डर दिया। वोलवो नेपूरे बंदोबस्त के साथ नार्थ कोरिया कारों की डिलीवरी की लेकिन आज तक इन कारों का भुगतान नहीं किया गया है। साल 1974 में जब तत्कालीन स्वीडिश सरकार ने उत्तर कोरिया के साथ एक समझौता किया था जिसके तहत टैक्सियों के रूप में इस्तेमाल करने के लिए 1,000 वोल्वो 144 सेडान कारों के साथ-साथ 70 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक मूल्य की भारी मशीनरी का ऑर्डर दिया गया था। यह वह समय था जब उत्तर कोरिया की औद्योगिक अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही थी और उसे अन्य देशों से भी सहायता मिल रही थी। स्वीडन से वोल्वो ने 1000 कारों की खेप को उत्तर कोरिया भेजा, जिनका इस्तेमाल वहां पर टैक्सियों के रूप किया गया। लेकिन आज तक तकरीबन 50 साल बीत जाने के बाद भी उत्तर कोरिया की सरकार ने इन कारों का पेमेंट नहीं किया है। आज भी नॉर्थ कोरिया की सड़कों पर वोल्वो की कुछ पुरानी कारें दौड़ती हैं, जिनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं।

सीएए भारतीय नागरिक...

प्रदान करना है। *एनडीटीवी इंडिया ऑफ द ईयर अवार्ड्स 2023-2024* में सभा को संबोधित करते हुए धनखड़ ने हमारे संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता, समानता और न्याय के मूल्यों द्वारा निर्देशित सीएए जैसे कदमों के सुखद प्रभाव को महसूस करने में कुछ वर्गों की विफलता पर अपना दर्द व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग पड़ोस में सताए गए अल्पसंख्यकों पर मानवाधिकार के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक संदर्भ और सुखद प्रभाव को पहचानने में विफल रहे। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की भूमिका और सामाजिक विमर्श पर इसके प्रभाव को स्वीकार करते हुए उपराष्ट्रपति ने एक स्वतंत्र और उद्देश्यपूर्ण मीडिया की आवश्यकता पर जोर दिया। मीडिया के राजनीतिकरण के प्रति आगाह करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि मीडिया एक पंजीकृत मान्यता प्राप्त या गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल नहीं हो सकता है। उन्होंने आगाह किया कि मीडिया को सभी सावधानियां बरतनी चाहिए ताकि वह पक्षपातपूर्ण राजनीति के लिए युद्ध का मैदान न बन जाए। गलत सूचना और फर्जी खबरों की चुनौतियों का जिक्र करते हुए, धनखड़ ने निगरानी रखने और ऐसी गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मीडिया की जिम्मेदारी को रेखांकित किया। इस अवसर पर एनडीटीवी के प्रधान संपादक संजय पुगलिया, अमिताभ कांत, अमजद अली खान, पुरस्कार विजेता और अन्य गण्यमान्य लोग भी उपस्थित थे।

कश्मीर में सैलानियों ...

ट्यूलिप के फूल यहां आने वाले हर पर्यटकों के मन को मोहित कर रहे हैं। इस गार्डन में ट्यूलिप के अलावा भी कई और तरह के फूल जैसे डैफोडिल्स, मस्करी, साइक्लेमेन, चेरी, व्हाइट ब्लॉसम और भी अन्य फूल यहां खिलते हैं। साल 2007 में इस गार्डन को तैयार किया गया था और धीरे-धीरे पर्यटकों के बीच ये विख्यात होता गया। इसी के साथ इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती चली गयी। पिछले साल ट्यूलिप गार्डन में रिकॉर्ड 3.65 लाख देश और विदेश के पर्यटक पहुंचे थे। साल 2022 में भी 3.6 लाख लोग ट्यूलिप गार्डन में इन चटख रंगों वाले फूलों को करीब से देखने के लिए पहुंचे थे। आने वाली ईद-उल-फीतर और बेहतर मौसम के साथ-साथ सैलानियों की संख्या भी बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल श्रीनगर की सुंदरता का परिचय होगा, बल्कि इससे पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे यहां की अर्थिक हालत भी सुधरेंगी।

जयपुर में बॉयलर फटने ...

कई दमकल की गाड़ियां पहुंची हैं। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री के अंदर बॉयलर फटने की वजह से भीषण विस्फोट हुआ है और इसी वजह से भीषण आग लग गई है। विस्फोट और आग लगने की वजह से फैक्ट्री में काम कर रहे 5 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई है। वहीं 4 मजदूरों को गंभीर हालत में बाहर निकाला गया है। फिलहाल गंभीर घायल मजदूरों को एसएमएस हॉस्पिटल रेफर किया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। मौके पर कई दमकल की गाड़ियां और पुलिस प्रशासन के अधिकारी पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया जा सका। मौके पर पहुंचे बस्सी एसीपी मुकेश चौधरी ने बताया कि बॉयलर फटने की वजह से फैक्ट्री के अंदर आग लगी थी। इस दौरान यहां काम करने वाले 5 मजदूर सीधे तौर पर बॉयलर के संपर्क में आ गए जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। हालांकि आग पर काबू पा लिया गया है।

हिमाचल : छह बागी ...

बागी विधायक भी भाजपा में शामिल हुए, जिनमें धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा, सुजानपुर से राजेंद्र राणा, कुटलैहड़ से देवेंद्र भुट्टो, गगरेट से चैतन्य शर्मा, लाहौल स्पीति से रवि ठाकुर और बड़सर से विधायक इंद्र दत्त लखनपाल हैं। इस मौके पर भाजपा में शामिल होने के बाद हिमाचल प्रदेश के बागी विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने कहा कि कांग्रेस की कार्यक्षमता खत्म हो गई है। न तो हाईकमान का कोई प्रभाव है और न ही पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए कोई सम्मान बचा है। इसलिए कांग्रेस के नेता वहां परेशान हैं।

महानगर में ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। दिसपुर थानाक्षेत्र में खानापाड़ा पशु चिकित्सा महाविद्यालय के पास से एसटीएफ असम ने तीन तस्करों को पकड़ा है। इनके पास से संदिग्ध हेरोइन से भरी 50 शीशियां बरामद की हैं। जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर दिसपुर थानाक्षेत्र में खानापाड़ा पशु चिकित्सा महाविद्यालय के सामने से शनिवार की सुबह एसटीएफ असम ने छापामारी के दौरान तीन तस्करों को पकड़ा। इनके पास से संदिग्ध हेरोइन से भरी 50 शीशियां बरामद की गईं, जिसका वजन 66.5 ग्राम है। इसके साथ ही तीन मोबाइल फोन, नकद 4270 रुपये, एक ऑटो रिक्शा जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एएस-01-सीसी- 7967 भी इस दौरान जब्त किए गए। पकड़े गए तस्करों की पहचान अमर प्रधान उर्फ भाटे (19), बिष्णु डोली उर्फ डीजे (27) तथा माणिक राजबंशी उर्फ बाबुल (40) के रूप में हुई है।

गुवाहाटी में युवक का शव बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी आए दिन अपराध की विभिन्न प्रकार के जघन्य अपराध के मामले सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में आज फिर से राजधानी में एक युवक का शव बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि शव हाथीगांव के शंकर रोड स्थित एक घर में मिला। बताया गया है कि मृतक अपने दोस्त के साथ एक किराए के मकान में रह रहा था। हाथीगांव पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान लखीमपुर जिले के घिलामारा निवासी प्रदीप दास के रूप में हुई है।

जागीरोड में जंगली हाथी की दर्दनाक मौत

मोरीगांव (हिंस)। जागीरोड के सोनाईकुसी में एक जंगली हाथी की दर्दनाक मौत हो गई। शनिवार को लोगों ने मरे हुए हाथी को देखकर इसकी सूचना वन विभाग को दी। आशंका जताई जा रही है कि हाथी पहाड़ी से फिसलकर बिजली के तार से टकरा गया और उसकी मौत हो गई। ज्ञात हो कि हाथी-मानव संघर्ष को रोकने के लिए वन विभाग द्वारा सोलर फेंसिंग लगाई गई थी।

तीताबर में भाजपा युवा मोर्चा का रणडंका कार्यक्रम आयोजित

जोरहाट (हिंस)। जिले के तीताबर में शनिवार को राज्य के सूचना जनसंपर्क आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका की अगुवाई में भारतीय जनता युवा मोर्चा का युवा रणडंका कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस आयोजन में लगभग पांच हजार युवा मोर्चा के सदस्यों ने भाग लिया। यह आयोजन जोरहाट लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार और सांसद तपन गोगोई के चुनाव प्रचार में किया गया था। कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले तीताबार में युवा मोर्चा ने आज हुए कार्यक्रम के जरिए भाजपा की ताकत दिखाई। तीताबार स्थित गुडू विवाह भवन परिसर में *रणडंका समारोह* का आयोजन *युवा मोर्चा* द्वारा तीताबर विधानसभा क्षेत्र के स्तर पर किया गया। इस मौके पर मंत्री पीयूष हजारिका के अलावा विधायक दिगंत कलिता, सांसद पल्ललोचन दास, जोरहाट लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार तपन कुमार गोगोई, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धांकुर अंकुर बरुआ भी मौजूद थे चुनाव प्रचार के बीच में ही मंत्री पीयूष हजारिका ने पत्रकारों से माफी मांगी। हजारिका ने शनिवार को तीताबार में सांसद तपन गोगोई के लिए प्रचार करते हुए एक जनसभा के मंच से तीताबार में पत्रकारों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले मंत्री हजारिका ने कथित तौर पर पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार किया था, जब वह तीताबार में पार्टी के एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। इस मुद्दे पर राज्य भर में प्रतिक्रियाएं भी हुई थी। इस बीच, शनिवार को मंत्री हजारिका ने सार्वजनिक मंच से सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा कि आने वाले दिनों में ऐसी गलतफहमी कभी नहीं होगी।

दरंग-उदालगुड़ी में तीन लाख वोटों से जीतेगी भाजपा : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी दिलीप सैकिया दावा किया है कि आसन्न चुनाव में इस सीट पर 3 लाख वोटों के अंतर वे से जीत हासिल करेंगे। दिलीप सैकिया शनिवार को मंगलदोई स्थित भाजपा मुख्यालय में मंडल भाजपा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। 300 से अधिक भाजपा बूथ कार्यकर्ता इस बैठक में मौजूद थे। भाजपा उम्मीदवार सैकिया ने कहा कि भाजपा दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा चुनाव में भले ही मुकाबला भाजपा, कांग्रेस और बीपीएफ के बीच त्रिकोणीय चल रहा है, फिर भी भाजपा तीन लाख वोटों के अंतर से जीतेगी। इस दौरान निवर्तमान सांसद ने भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किए गए कई महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ चुनाव की राजनीति नहीं करती, बल्कि चुनाव के दौरान किए गए वादे को पूरा करने की राजनीति करती है। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं की भी चर्चा की।

16 वर्षीया भांजी को लेकर फरार मौसा समेत दोनों ने खाया जहर, अस्पताल में भर्ती

रंगिया (निसं)। 16 वर्षीय भांजी को उसके अपने मौसा ने अवैध प्रेम में फंसाया व भगा ले गया। उक्त घटना रंगिया के सुंधिया में हुई है, लड़की के परिजनों ने बताया कि लड़की अपनी मां से गत शुक्रवार के दिन में कॉलेज में कोई फॉर्म जमा कराने जाएगी। लेकिन जब वह नहीं लौटी तब पुछताछ में उसके कॉलेज के साथियों से पता चला कि वह कॉलेज ही नहीं आई है। घरवालों को पता चला कि वह अपने मौसा मंटू दास के साथ भाग गई है। मंटू दास को इन दिनों 16 साल की लड़की से प्यार हो गया था। आज सुबह करीब 11 बजे जब परिजन रंगिया थाने में एफआईआर दर्ज

कराने पहुंचे तो सुंधिया से सूचना मिली कि दोनों सुंधिया गांव में ही मिलकर जहर पी लिया हैं। खबर मिलते ही रंगिया पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगो ने पुलिस के आने तक मंटू की धुलाई कर दी थी। पुलिस ने दोनों को रंगिया सिविल अस्पताल पहुंचाया। जहां दोनों की हालत गंभीर देख जीएमसीएच रेफर कर दिया गया।

त्यौहारी भीड़ को कम करने के लिए अधिक होली स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। होली के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को कम करने के लिए, चार जोड़ी और होली स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है। कटिहार से चंडीगढ़ और उदयपुर सिटी की ओर दोनों दिशाओं में दो स्पेशल ट्रेनें, अगरतला से गोरखपुर के लिए दोनों दिशाओं से एक ट्रेन और न्यू जलपाईगुड़ी से हावड़ा तक एक अन्य वन-वे स्पेशल ट्रेन चलाई जाएंगी। ट्रेन संख्या 04538 (चंडीगढ़-कटिहार) 23 मार्च को चंडीगढ़ से शाम 07:15 बजे रवाना होकर अगले दिन अपने गंतव्य कटिहार रात 11:45 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04537 (कटिहार-चंण्डीगढ़) 25 मार्च को कटिहार से सुबह 04:00 बजे रवाना होकर अगले दिन अपने गंतव्य चंडीगढ़ सुबह 09:40 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 09623 (उदयपुर सिटी-कटिहार) 26 मार्च (मंगलवार) को उदयपुर सिटी से शाम 04:05 बजे रवाना होकर गुरुवार को अपने गंतव्य कटिहार अहले सुबह 02:45 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09624

(कटिहार-उदयपुर सिटी) 28 मार्च (गुरुवार) को कटिहार से दोपहर 03:00 बजे रवाना होकर शनिवार को अपने गंतव्य उदयपुर सिटी सुबह 04:15 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 05698 (अगरतला-गोरखपुर) 24 मार्च को अगरतला से सुबह 06:20 बजे रवाना होकर अगले दिन अपने गंतव्य गोरखपुर शाम 05:30 बजे पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 05697 (गोरखपुर-अगरतला) 25 मार्च (सोमवार) को गोरखपुर से रात 11:55 बजे रवाना होकर बुधवार को अपने गंतव्य अगरतला शाम 06:40 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02042 (न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा) 24 मार्च को न्यू जलपाईगुड़ी से सुबह 05:30 बजे रवाना होकर उसी दिन अपने गंतव्य हावड़ा दोपहर 01:45 बजे पहुंचेगी। इसके अलावा, रेल यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए ट्रेन संख्या 12345/12346 (हावड़ा-गुवाहाटी-हावड़ा) सराईघाट एक्सप्रेस का सांइथिया स्टेशन पर दो मिनट के लिए अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। ट्रेन संख्या 15903/15904 (डिब्रूगढ़-चंडीगढ़-डिब्रूगढ़) एक्सप्रेस का बस्ती स्टेशन पर तीन मिनट के लिए अतिरिक्त ठहराव दिया गया है। ट्रेन संख्या 12345 (हावड़ा-गुवाहाटी) सराईघाट एक्सप्रेस सांइथिया शाम 06:29 बजे पहुंचेगी और 06:31 बजे रवाना होगी। ट्रेन संख्या 12346 (गुवाहाटी-हावड़ा) सराईघाट एक्सप्रेस सांइथिया अहले सुबह 02:12 बजे पहुंचेगी और 02:14 बजे रवाना होगी। साथ ही, ट्रेन संख्या 15903 (डिब्रूगढ़-चंडीगढ़) एक्सप्रेस बस्ती रात 09:13 बजे पहुंचेगी और 09:16 बजे रवाना होगी। ट्रेन संख्या 15904 (चंडीगढ़-डिब्रूगढ़) एक्सप्रेस बस्ती दोपहर 03:17 बजे पहुंचेगी और 03:20 बजे रवाना होगी। इन ट्रेनों के ठहराव तथा समय-सूची का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कामरूप जिले में दौलोत्सव को लेकर 26 को स्थानीय बंद घोषित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिला आयुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट कीर्ति जल्ली ने दौल यात्रा एवं होली के अवसर पर 26 मार्च को जिले का स्थानीय बंद घोषित किया है। उक्त दिन, कामरूप जिले के सभी सरकारी कार्यालय/शैक्षिक संस्थान/वित्तीय संस्थान/बैंक आदि बंद रहेंगे। वहीं दूसरी ओर बताया गया है कि लोकसभा चुनाव-2024 की स्थिति में, परीक्षा एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षक इस स्थानीय बंद के दायरे में नहीं आएंगे।

रंगिया में कांग्रेस उम्मीदवार का अभिनंदन

रंगिया। दरंग उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार माधव राजबंशी का रंगिया में भव्य स्वागत किया गया। रंगिया राजीव भवन में चुनाव कार्यालय के उद्घाटन समारोह में दरंग उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार माधव राजबंशी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष कंकन दास सहित कई नेता मौजूद थे। आज की बैठक में कांग्रेस के कई पूर्व नेता आज फिर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। असम जातीय परिषद, सीपीएम सहित कई विपक्षी दलों के नेताओं ने भाग लिया। रैली में भाजपा पार्टी पर निशाना साधते हुए माधव राजबंशी ने कहा कि भाजपा पार्टी भारत के संसाधनों को बेचकर देश चला रही है। सांसद दिलीप सैकिया इस तथ्य पर कटाक्ष किया कि वह संसद में हस्ताक्षर करने के लिए उपस्थित रहने का कटाक्ष किया। (नि सं)

मणिपुर पुलिस ने 318 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 318 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 154 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 236 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 129 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन होजाई शाखा की नई कार्यकारिणी गठित

होजाई (निसं)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन,होजाई शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन शुक्रवार को किया गया। शपथ ग्रहण समारोह अध्यक्षा श्रीमती ज्योति सुरेका के नेतृत्व में सफलता पूर्वक संपन्न किया गया। सभी समिति सदस्यों ने पूर्ण बहुमत से श्रीमती प्रियंका सरावगी को मारवाड़ी महिला सम्मेलन के नए अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया। श्रीमती लवली बेरिवाल को सचिव, श्रीमती मृदुल अग्रवाल को सह-सचिव, श्रीमती ममता खाखोलिया को कोषाध्यक्ष, श्रीमती बबीता चनानी को सह-कोषाध्यक्ष एवं श्रीमती रेखा मोर को उप अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, होजाई शाखा के लिए बहुत ही गर्व की बात है की निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती ज्योति सुरेका को प्रांतिय समिति सशक्तिकरण प्रमुख के पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं, सभी समिति सदस्यों को समिति की तरफ से पौधे भेंट स्वरूप दिए गए। अंत में सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी।

काजीरंगा में गैंडे की हत्या : सींग काटकर ले गए शिकारी

काजीरंगा (हिंस)। काजीरंगा नेशनल पार्क में गैंडे को मारकर शिकारी उसका सींग काटकर ले गए। यह घटना काजीरंगा बूढ़ापहाड़ वनांचल के टुनीकाटी वन शिविर इलाके में घटित हुई। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि शुक्रवार की रात यह घटना घटी हुई होगी। शनिवार की सुबह पर्यटकों ने सींग कटे हुए गैंडे का शव देखा। वन कर्मियों का कहना है कि रात को इस इलाके में गोलीबारी की आवाज सुनाई नहीं दी। इस घटना के बाद वन तथा पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। शिकारी का पता लगाने के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष काजीरंगा के बूढ़ा पहाड़ इलाके में इस प्रकार की यह पहली घटना है। हालांकि, इसी वर्ष काजीरंगा के आगरतली रेंज में गेंडे की हत्या की गई थी। बाद में पुलिस ने अभियान चला कर हत्यारे को गिरफ्तार किया था। इसके बाद असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा था कि अब काजीरंगा की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में काजीरंगा में बड़ी संख्या में गैंडों की हत्या हुई थी।

श्री दिगंबर जैन मंदिर में सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन

जैन समाज का होली मिलन समारोह आज

गुवाहाटी। फैंसी बजार स्थित श्री दिगंबर जैन(बड़ा) मंदिर की मुनिसुब्रतनाथ वेदी के समक्ष स्थानीय पंडित संतोष कुमार शास्त्री के नेतृत्व में अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर कर्मों के सामूहिक विनाश हेतु आयोजित सिद्धचक्र महामंडल विधान में सिद्धों की आराधना आज शनिवार को सानंद संपन्नता के साथ पूर्ण हुई। इस अवसर पर प्रीति जैन, कंचन देवी बड़जात्या, शैलेश गंगवाल ने अठाई व्रत का पालन कर पुण्याजन किया है। आज श्रीजी कि शांतिधारा, अभिषेक, नित्य नियम पूजन आदि के पश्चात संगीतमय स्वर लहरियों के साथ इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा 512 अर्घ्य चढ़ाए गए। इस अवसर पर पंडित जी ने बताया कि जिनेन्द्र पूजन जीवन को आलोंकित करता है। जिनेन्द्र पूजन स्वयं से स्वयं का परिचय कराता है। अत: वीतराग प्रभु एवं उनके द्वारा प्रणीत जिनमार्ग का अनुसरण करने वाले जिन गुरुओं की शरण में आकर उनकी पूजन भक्ति-वंदन से हमें अपने जीवन को प्रकाशित कर लेना चाहिए। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि रविवार को साय: 6.30 बजे से जैन समाज द्वारा होली मिलन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भगवान महावीर धर्म स्थल में किया जाएगा। यह जानकारी प्रचार प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा दी गई है।

कोकराझाड़ : दो कन्याओं का तपाभिनंदन समारोह आयोजित

त्यागी होता सबका पूजनीय : मुनि प्रशांत

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ मुनि प्रशांत कुमार जी मुनि कुमुद कुमार जी के सान्निध्य में सुश्री पूजा छाजेड़, सुश्री मुस्कान छाजेड़ की नौ की तपस्या का तपाभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। जनसभा को संबोधित करते हुए मुनि प्रशांत कुमार जी ने कहा कि चातुर्मास में तपस्या होती है। इस मौसम में शेषकाल में दो कन्याओं द्वारा नौ दिन का तप एवं एक किशोर द्वार तेले की तपस्या करना सहज सरल नहीं होता है। ये सब देव, गुरु और धर्म की कृपा से होता है। दोनों बहनें पूजा और मुस्कान ने नौ एवं हर्ष ने तेले की अच्छी भेंट दी है। छाजेड़ परिवार में तपस्या एवं धर्म के संस्कार बहुत अच्छे है। सामायिक, प्रवचन की भावना बनी रहती है। तप में हिम्मत दिखाना शूरवीर का काम होता है। तप करने से बड़ा लाभ होता है। धर्म के भाव पैदा होना तभी संभव होता है जब शुभकर्म का उदय हो बिना धर्म के जीवन का महत्व नहीं होता है। अध्यात्म की साधना जीवन में चलती रहनी चाहिए। धार्मिक मनोवृत्ति वाला व्यक्ति का आचरण, व्यवहार सात्विक होता है। आत्मशुद्धि के लक्ष्य से की गई तपस्या से ही कल्याण होता है। जैन धर्म में त्याग का बहुत महत्व है। त्यागी व्यक्ति सबका पूजनीय होता है। तप करने से कितने प्रकार से लाभ मिलता है? आध्यात्मिक, शारीरिक भावनात्मक लाभ होता है। मन पर संयम सधता है। मुझे कल्पना नहीं थी कि सांसारिक भाणजी पूजा एवं मुस्कान तपस्या की भेंट देगी। दोनों की आध्यात्मिक भावना बढ़ती रहे। मुनि कुमुद कुमार जी ने कहा-चातुर्मास के अलावा शेषकाल में अठाई तप करना हिम्मत का कार्य है। गुरु की कृपा, परिवार के सहयोग से तपस्वी अपने संकल्प को पूर्ण कर रहे है। जैन धर्म में तप का अपना महत्व है। मोक्ष प्राप्ति का साधन है तप। तप के साथ साथ कषाय का शमन किया जाए। आत्मा हलुकर्मी बने। जैन शासन में हजारों हजारों साधकों ने तपस्या करके कर्म को क्षय किया है। जिनशासन की प्रभावना बढ़ाई। ज्ञान दर्शन चारित्र एवं तप का विकास होता रहे। तपस्या करने वाले पूजा छाजेड़, मुस्कान एवं हर्ष साधुवाद के पात्र है। अठारह भाई बहनों ने तेले की भेंट मुनिवृंद को दी। तपाभिनन्दन में अनेक श्रावक श्राविकाओं ने विविध त्याग किए। सिलीगुड़ी सभा अध्यक्ष रुपचंद कोठारी, दीपचंद छाजेड़, जेठमल रामपुरिया, छाजेड़ परिवार की बहनें, कोकराझाड़ सभा अध्यक्ष सुनील आंचलिया, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल ने व्यक्तव्य एवं गीत द्वारा अभिव्यक्ती दी। तपस्विनी बहनों का साहित्य एवं अभिनंदन पत्र द्वारा सम्मान किया गया। अभिनंदन पत्र का वाचन सभा मंत्री कन्हैयालाल चौपड़ा ने किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मुनि श्री कुमुद कुमार ने किया।

संपादकीय

प्रदूषण का देश भारत

भारत तीसरा सबसे अधिक प्रदूषित देश है, जिसकी राजधानी दिल्ली दुनिया की सबसे अधिक प्रदूषित राजधानी है। भारत की करीब 96 फीसदी आबादी जहरीली हवा में जीने को विवश है। प्रदूषण के लिए जिम्मेदार सूक्ष्मतम कण पीएम 2.5 होना चाहिए, लेकिन दिल्ली का पीएम 92.7 है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका पीएम 80.2 के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत के 7800 शहरों में से मात्र 9 फीसदी ही ऐसे हैं, जो मानकों पर खरे उतरते हैं। सिर्फ यही नहीं, सबसे प्रदूषित 50 शहरों में से 42 शहर भारत के हैं। प्रदूषण का यह स्तर भारत के लिए चुनौती ही नहीं, बल्कि संकट का रूप धारण करता जा रहा है। संकट इसलिए भी गहरा है, क्योंकि बिहार के बेगुसराय, पटना, असम के गुवाहाटी, अपेक्षाकृत छोटे शहर-रोहतक (हरियाणा) और मेरठ (उप्र)-भी प्रदूषित होते जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, पीएम 2.5 का सालाना औसत 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन बेगुसराय का यह स्तर बीते साल 118.9 था। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से 23 गुना अधिक था। भारत में प्रदूषण के हालात का खुलासा स्विस एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग संस्था 'आईक्यूएयर' की हालिया रपट में किया गया है। यह डाटा खुद भारत की सरकारों द्वारा दिया गया है, स्विस संस्था ने विश्व-संदर्भ में उन्हें संकलित किया है, लिहाजा संस्था पर आरोप लगाना 'आत्मघाती' होगा। विडंबना है कि हवा, पानी, मिट्टी और जंगल सरीखे मुद्दों पर राजनीति नहीं की जाती। वे चुनाव में गौण ही रहते हैं। हमारी सत्ताओं की प्राथमिकता गरीबी हटाओ और औद्योगिक प्रगति ही रही है। औद्योगिक क्रांति के 200 सालों के दौरान औद्योगिक औजारों ने प्रदूषण को इतना बढ़ा दिया है कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। पहले संकट दिल्ली समेत कुछ महानगरों तक ही सीमित समझा जाता था, लेकिन स्विस संस्था की रपट ने पूरे भारत के संकट को बेनकाब किया है। भारत की 130 करोड़ से अधिक आबादी 'जहरीली हवा' के शहरों में बसी है। यदि भारत का सच यही है, तो भारत को 'प्रदूषण का देश' करार देना गलत नहीं होगा। दरअसल जिस गति से भारत का शहरीकरण हुआ है या सरकार स्मार्ट सिटी बनाने की परियोजना पर काम कर रही है, उसमें प्रदूषण प्राथमिकता पर नहीं है। उस गति से प्रदूषण के कारकों का डाटा भी उपलब्ध नहीं है। यदि बेगुसराय, गुवाहाटी, रोहतक, मेरठ आदि अपेक्षाकृत छोटे शहरों में प्रदूषण के खतरनाक कारक सामने आए हैं, तो उस लिहाज से राजधानी दिल्ली 'जानलेवा गैस चैंबर' कही जा सकती है। अक्तूबर से फरवरी के दौरान दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400-500 रहता है। उसका औसत भी 250-300 तक रहता है, जो 'बहुत खराब श्रेणी' में आता है। भारत के जो 83 शहर 'आईक्यूएयर' की सूची में हैं, वहां प्रदूषण के स्रोतों और कारकों को लेकर शायद ही कोई अधिकृत सूचना उपलब्ध है। बेगुसराय का ही उदाहरण लें। वहां 2022 में पीएम 2.5 का स्तर 20 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। एक ही साल में 6 गुना प्रदूषण कैसे बढ़ गया, उसके मद्देनजर कोई अधिकृत बयान, जवाबदेही या रपट नहीं है। संभव है कि स्विस रपट के बाद नेताओं और नौकरशाहों के कान पर कोई जूं रेंगने लगे। भारत के वायु प्रदूषण का यथार्थ यह है कि आधा प्रदूषण तो हानिकारक गैसों के कॉकटेल की वजह से है। कृषि, उद्योग, बिजली के प्लांट, परिवहन और घरेलू श्रेणी में जो प्रदूषण के कारक हैं, वे एक शहर से दूसरे शहर और राज्य-दर-राज्य यात्रा करते हैं। लिहाजा नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत विभिन्न इलाकों, शहरों, छोटे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों पर एक लक्ष्यबद्ध हस्तक्षेप किया जाता है। हमारे यहां पर्यावरण मंत्रालय हैं, लेकिन फिर भी नकारापन है।

भारत की करीब 96 फीसदी आबादी जहरीली हवा में जीने को विवश है। प्रदूषण के लिए जिम्मेदार सूक्ष्मतम कण पीएम 2.5 होना चाहिए, लेकिन दिल्ली का पीएम 92.7 है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका पीएम 80.2 के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत के 7800 शहरों में से मात्र 9 फीसदी ही ऐसे हैं, जो मानकों पर खरे उतरते हैं। सिर्फ यही नहीं, सबसे प्रदूषित 50 शहरों में से 42 शहर भारत के हैं। प्रदूषण का यह स्तर भारत के लिए चुनौती ही नहीं, बल्कि संकट का रूप धारण करता जा रहा है। संकट इसलिए भी गहरा है, क्योंकि बिहार के बेगुसराय, पटना, असम के गुवाहाटी, अपेक्षाकृत छोटे शहर-रोहतक (हरियाणा) और मेरठ (उप्र)-भी प्रदूषित होते जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, पीएम 2.5 का सालाना औसत 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन बेगुसराय का यह स्तर बीते साल 118.9 था। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से 23 गुना अधिक था। भारत में प्रदूषण के हालात का खुलासा स्विस एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग संस्था 'आईक्यूएयर' की हालिया रपट में किया गया है। यह डाटा खुद भारत की सरकारों द्वारा दिया गया है, स्विस संस्था ने विश्व-संदर्भ में उन्हें संकलित किया है, लिहाजा संस्था पर आरोप लगाना 'आत्मघाती' होगा।

पांच प्रतिशत बाबरी मुसलमान अब इस देश की मिट्टी में रच-बस गए हैं

मुसलमानों को नागरिकता की मांग का औचित्य

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

जब से भारत सरकार ने नागरिकता अधिनियम में संशोधन के बाद यह प्रावधान किया है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के प्रताड़ित हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन और ईसाई भारत की नागरिकता प्राप्त करने के अधिकारी होंगे, तब से कांग्रेस, मुस्लिम लीग और कम्युनिस्टों की मांग है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के मुसलमानों को भी भारतीय नागरिकता लेने का अधिकार मिलना चाहिए। इसका मोटा अर्थ यह है कि जो लाखों बांग्लादेशी और पाकिस्तानी अवैध ढंग से भारत में घुस आए हैं, उनको भी घुसपैठिए न मान कर शरणार्थी माना जाए और मांग पर भारतीय नागरिकता दी जाए। उनका कहना है कि भारत पंथनिरपेक्ष है, इसलिए किसी पंथ या मजहब के आधार पर किसी को न तो सुविधा दी जा सकती है और न ही भेदभाव किया जा सकता है। लेकिन इसके साथ ही ये यह भी मांग करते हैं कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 इसलिए लागू किया जाए क्योंकि वहां इस्लाम पंथ को मानने वाले बहुसंख्यक में हैं। नागरिकता के प्रश्न पर इन्होंने भारत के दोनों प्रकार के मुसलमानों को सडक़ों के प्रदर्शन में जोडने का प्रयास किया है और कुछ सीमा तक उन्हें जोडने में सफल भी हुए हैं। इन मुसलमानों में से अधिकांश तो भारतीय मुसलमान ही हैं जिनके पुरखे सल्तनत काल या मुगल काल में मतांतरित होकर मुसलमान बन गए थे। लेकिन एक-आध प्रतिशत अरब, मंगोल, तुर्क या फिर मुगल मुसलमान भी हैं, जिनके पुरखे इन देशों से अरसा पहले आए थे। ये या तो हमलावर थे या फिर देश पर अरबों या तुर्कों का कब्जा हो जाने के बाद यहां आ बसे थे। इन एक-आध प्रतिशत मुसलमानों का भारत की मस्जिदों और जियारतखानों पर कब्जा है। मौलाना अबुल कलाम आजाद, जो भारत के पहले शिक्षा मंत्री थे, वे इन मुसलमानों की संख्या पांच प्रतिशत बताया करते थे। उनके स्वयं के पुरखे भी अरब से आए थे। लेकिन उनका कहना था कि ये पांच प्रतिशत बाबरी मुसलमान अब इस देश की मिट्टी में रच-बस गए हैं। लेकिन मौलाना आजाद के वक्त भी यही पांच प्रतिशत भारतीय मुसलमानों को भडक़ाया करते थे और आज उनके गुजर जाने के इतने दशकों बाद भी यही भारतीय मुसलमानों को बहका, डरा और धमका रहे हैं। अलबत्ता दारा शकोह ने इस देश की मिट्टी में घुल-मिल जाने की प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन उसको उन्हीं मुल्लाओं ने निपटा दिया। आज भी नागरिकता संशोधन अधिनियम के सवाल पर इन्हीं पांच प्रतिशत ने, मस्जिदों से आम भारतीय मुसलमानों को बहकाया या भडक़ाया और दोनों मिल कर कांग्रेस, कम्युनिस्ट और मुस्लिम लीग की राजनीति के मोहरे बन कर सडक़ों पर तांडव करने लगे। वैसे कांग्रेस, कम्युनिस्ट शायद समझ रहे हों कि वे इन दोनों प्रकार के ही मुसलमानों को अपनी राजनीति का मोहरा बना रहे हैं, जबकि हो सकता है सडक़ों पर उतर रहे भारतीय और अरब तुर्क मुसलमान इन राजनीतिक दलों को अपनी बड़ी योजना के लिए इस्तेमाल कर रहे हों। लेकिन इन दोनों प्रकार के मुसलमानों को सडक़ों पर उतार कर कांग्रेस, कम्युनिस्ट और मुस्लिम लीग जो प्रश्न उठा रहे हैं, उस पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। उनका कहना है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम में भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान पाकिस्तान और बांग्लादेश से आने वाले हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई अल्पसंख्यकों के लिए किया गया है, जबकि वह पाकिस्तान से आने वाले मुसलमानों के लिए भी किया जाना चाहिए। पाकिस्तान और बांग्लादेश के मुसलमान, यदि वे भारत में आ जाते हैं, तो उनकी मांग पर, उनकी भारतीय नागरिकता उन्हें वापस देनी चाहिए। वापस देने का प्रसंग इसलिए उठ रहा है क्योंकि 1947 से पहले इन सभी के पास भारतीय नागरिकता ही थी। यदि भारत विभाजन न होता तो आज इनके पास वही भारतीय नागरिकता बनी रहती। अब यदि पाकिस्तान और बांग्लादेश के लाखों मुसलमान फिर से अपनी भारतीय नागरिकता प्राप्त करना चाहते हैं तो भारत के विभाजन के प्रश्न पर पुनः विचार करना होगा। यदि विभाजन के सत्तर साल बाद भी पाक-बांग्लादेश के मुसलमान नागरिकों को भी यह लगता है कि इससे अच्छी भारत की नागरिकता ही थी, तब देश विभाजन के औचित्य पर तो प्रश्नचिन्ह लगेगा ही। यदि पाकिस्तान के नागरिकों को अंततः भारत की नागरिकता ही वापस लेनी थी तो भारत का विभाजन कर एक नई पाकिस्तानी नागरिकता सृजित करने की जरूरत ही क्या थी? लेकिन इस विवाद के इस मोड़ पर एक और प्रश्न भी खड़ा होता है। पाकिस्तान के इन मुसलमान नागरिकों ने, जो समग्र भारतीय विरासत का हिस्सा ही थे और उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे, स्वेच्छा से पाकिस्तानी नागरिकता के लिए संघर्ष किया था। इस संघर्ष में कम्युनिस्टों ने उनका साथ दिया था। कम्युनिस्ट जो मजहब के जनक ईश्वर के अस्तित्व को ही स्वीकार नहीं करते, वे ही मजहब के आधार पर पाकिस्तान के निर्माण का समर्थन कर रहे थे। कांग्रेस शुरू में तो मजहब के आधार पर विभाजन का विरोध करती थी, लेकिन कांग्रेस कार्यसमिति ने 12 जून 1947 को भारत विभाजन का समर्थन करते हुए प्रस्ताव पारित कर दिया था। इसके बाद कांग्रेस के बड़े अभिकरण एआईसीसी यानी आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के 14 जून को आहूत अखिल भारतीय अधिवेशन में इस प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया गया। लेकिन इन दोनों प्रस्तावों के पारित करने से भी पहले 3 जून 1947 को कांग्रेस, मुस्लिम लीग और उस समय के ब्रिटिश भारत के वायसराय लार्ड माऊंटबेटन ने संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस में ब्रिटिश भारत के विभाजन और एक नए देश पाकिस्तान के निर्माण की घोषणा की। इस प्रकार कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की अलग पाकिस्तानी नागरिकता की मांग के आगे हथियार डालते हुए अंतिम दिनों में उनके सहयोगी की भूमिका को स्वीकार किया था। मुस्लिम लीग शुरू से ही भारतीय मुसलमानों के लिए पाकिस्तानी नागरिकता की मांग कर रही थी। लेकिन अब वही कांग्रेस और वही मुस्लिम लीग मानसिकता के संगठन यह कह रहे हैं कि पाकिस्तान (बांग्लादेश उसी का हिस्सा था) के नागरिकों को भी पुनः उनकी भारतीय नागरिकता वापस देनी चाहिए। यदि कांग्रेस, कम्युनिस्टों और मुस्लिम लीग को सचमुच यह लगता है कि पाक-बांग्लादेश के मुसलमानों को भी उनकी भारतीय नागरिकता वापस मिलनी चाहिए तो जिन मुसलमानों को सडक़ों पर लाकर वे तोडफ़ोड़ और आगजनी कर रहे हैं।

नागरिकता के प्रश्न पर इन्होंने भारत के दोनों प्रकार के मुसलमानों को सडक़ों के प्रदर्शन में जोडने का प्रयास किया है और कुछ सीमा तक उन्हें जोडने में सफल भी हुए हैं। इन मुसलमानों में से अधिकांश तो भारतीय मुसलमान ही हैं जिनके पुरखे सल्तनत काल या मुगल काल में मतांतरित होकर मुसलमान बन गए थे। लेकिन एक-आध प्रतिशत अरब, मंगोल, तुर्क या फिर मुगल मुसलमान भी हैं, जिनके पुरखे इन देशों से अरसा पहले आए थे।

दृष्टि कोण

यह मृत्यु झकझोरती है...और समाज की चुप्पी परेशान करने वाली

जो बांग्लादेश बड़ी तेजी से कट्टरवाद की ओर झुकता चला गया है, जहां स्त्रियों की स्वतंत्रता और उदार चिंतन की जगह क्रमशः सिकुड़ती गई है, और हाल के वर्षों में आर्थिक स्थिति बेहतर होने के कारण जहां उपभोक्तावाद तेजी से बढ़ा है, वहां पिछले दिनों घरेलू काम करने वाली एक आदिवासी किशोरी प्रीति उरांव की संदेहास्पद मृत्यु ने लोगों का ध्यान खींचा है। दक्षिण एशिया में उरांव आदिवासियों की बड़ी आबादी रहती है। भारत में मुख्यतः झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और ओडिशा में इनका निवास है, तो बांग्लादेश में भी इनकी बड़ी संख्या है। वर्ष 2020 की आदमशुमारी के मुताबिक, बांग्लादेश में उरांव आदिवासियों की आबादी लगभग 2.45 लाख है। मैं यहां उरांव आदिवासियों का इतिहास नहीं बताने जा रही। मैं इस समुदाय की एक लड़की प्रीति उरांव के बारे में बता रही हूं, जिसकी दर्दनाक कहानी ने एक बार फिर जहां गरीबों की असहायता को बताया है, वहीं यह त्रासदी आदिवासी समुदाय की विपन्नता को भी सामने लाती है। पंद्रह साल की प्रीति को स्कूल में होना चाहिए था। स्कूल न जाकर प्रीति लोगों के घर में काम क्यों करती थी? क्योंकि वह गरीब थी। उसके पिता एक चाय बागान में काम करते थे। लेकिन कम आय में गुजारा नहीं होता था, इसलिए प्रीति को लोगों के घर का कामकाज करने के लिए उसने ढाका भेज दिया था। दुनिया भर में ऐसे असंख्य मजबूर परिवार हैं, जो अपने बच्चों को काम करने के लिए भेज देते हैं। लेकिन प्रीति ढाका शहर के किसी आम घर में नहीं, चर्चित अंग्रेजी अखबार द डेली स्टार के एक संपादक के यहां काम करती थी, जिनकी स्वाभाविक ही बौद्धिक छवि थी। जो व्यक्ति अखबार में मानवाधिकार, स्त्री-पुरुष समान अधिकार और औरतों के साथ होनेवाली हिंसा के खिलाफ लिखता हो, जो हर तरह के शोषण के खिलाफ बात करता हो, उससे व्यवहारिक तौर पर भी स्त्रियों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने की ही उम्मीद की जाती है। लेकिन पता चलता है कि उनके घर पर बाल श्रमिक काम करते थे। ऐसा क्यों था? अगर बौद्धिक लोग भी अपने घर पर बच्चों से काम कराएंगे, तो समाज किससे सीखेगा कि हर बच्चे को स्कूल जाने का अधिकार है? तथ्य यह है कि पिछले साल छह अगस्त को भी काम करने वाली एक किशोरी फिरदौसी नौवीं मंजिल स्थित उस व्यक्ति के फ्लैट से नीचे कूदकर गंभीर रूप से घायल हो गई थी। अपनी जान जोखिम में डालकर वह किशोरी उतनी ऊंचाई से क्यों कूदी थी? फ्लैट में क्या हुआ था? महीनों बाद प्रीति उरांव को भी फिरदौसी की तरह अपनी जान जोखिम में डालकर नीचे कूदना पड़ा। लेकिन वह फिरदौसी की तरह भाग्यशाली नहीं थी। नीचे गिरने के बाद वह मर गई। सबसे स्तब्ध करने वाली बात यह है कि छह महीने पहले एक दुखद घटना घटने के बाद भी उस संपादक और उनके परिवारजनों ने कोई सबक नहीं लिया था। सिर्फ यही नहीं कि उनके यहां घरेलू कामगारों के शोषण का सिलसिला लगातार जारी रहा, बल्कि जिस खिड़की से फिरदौसी कूदी थी, उसमें ग्रिल लगाने या सुरक्षा की दूसरी व्यवस्था करने की जरूरत भी उस परिवार ने महसूस नहीं की। क्या उस परिवार को इसका अहसास नहीं था कि शोषण से तंग आकर काम करने वाली दूसरी लड़की भी जान बचाने के लिए कूद सकती है? या अपनी विशिष्ट पहचान या समाज में खास छवि के कारण उस परिवार को इसकी कोई परवाह नहीं थी? प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि प्रीति के शरीर पर जख्मों के निशान थे। कुछ लोगों का कहना है कि प्रीति की बुरी तरह पिटाई की गई होगी, यहां तक कि उसे मार डाला गया होगा, फिर ऊपर से लाश नीचे फेंक दी गई। जबकि कुछ लोगों का यह आकलन है कि भीषण पिटाई के बाद प्रीति ने जान बचाने के लिए ऊपर से छलांग लगा दी होगी। आश्वस्ति की बात यह है कि आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने इस मामले में उस घर के कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गौर करने वाली बात यह है कि काम करने वाली नौकरानियों पर अत्याचार करने के कारण आरोपी को इससे पहले भी गिरफ्तार किया गया था। लेकिन यह मामला बेहद गंभीर है। प्रीति उरांव की मृत्यु से बांग्लादेश में हलचल मच गई है, तो इसका कारण यही है।

कुछ अलग

होली, निंदक और मैं...

निंदक पास में ही था, बोला-'क्या लिखने लगे हो शर्मा जी। थोड़ा सा स्तर बनाओ। चार दशक की लेखन यात्रा को कुएं में क्यों डाल रहे हो? कुछ करो मेरे भाई, जमकर और सोचकर लिखो। वसंत बीता नहीं कि तुमने होली वाला लिफाफा निकाल लिया। होली पर लिखना और छपवाना बीते जमाने की बात है। कुछ धांसू, उल्लेखनीय और नया लिखो।' मैं बोला-'रे निंदक मैंने आंगन तुम्हारी कुटिया बनाकर क्या आफत मोल ली है। तुम क्या जानो छपने के गुर, मुझसे अधिक और कोई नहीं जानता। होली पर मैं चालीस वर्षों से लिख रहा हूं। मैंने चालीस वर्षों में चार सौ होली रचनाएं लिखी हैं। हर होली पर इनमें से बीस प्रतिशत रचनाएं जारी कर मैं पचास प्रतिशत लाभ कमाता हूं तो मैं होली का पुलिंदा क्यों नहीं खोलूं। मैंने होली को हर पहलू और कोण से परखा है। अब मैं लिखता नहीं, केवल मैटर का शीर्षक बदलकर टाइप कराता हूं। मेरी रचनाओं की निंदा करने से पूर्व इतना तो सोचो कि तुम मेरी ही खाते हो ओर मेरी ही निंदा करते हो। पहले यह बताओ कि तुम्हें मेरे होली लेखन के संबंध में बताया किसने है?' निंदक बोला-'लेखक जी, मैं निंदक हूं, मैं जहां रहता हूं, वहां की कमजोरियों को नहीं जानूंगा तो मुझे अपने यहां रखेगा। तुम तो आलोचना सहने के आदी नहीं हो। जब तुम अपने मुंह मियां मिट्ठू बने घूम रहे हो तो मुझे तुम्हारा आंगन अविलंब छोड़ देना चाहिए।' मैंने कहा-'लेकिन यहां से जाओगे कहां? हर लेखक ने अपनी-अपनी तरह के लिफाफे खोल रखे हैं। जिसके यहां भी जाओगे, वही होली के डिस्पैच भेज रहा होगा। तुम होली से इतना चिढ़ते क्यों हो?' निंदक बेचैनी से बोला-'मैं चिढ़ता नहीं, मैं तो तुम्हारी बुद्धि पर तरस खाता हूं। जैसी वहा वैसा चलन। अब तो होली पर महिला पत्रिकाएं भी नहीं छापतीं। वहां भी मापदण्ड बदल गए हैं। तुम डेली पेपर्स में यह ऊल-जुलूल छपाकर क्या हासिल करना चाहते हो?' 'मैं यही लिखकर साहित्यकार बन गया हूं निंदक। लोग मुझे होली वाले लेखकजी के नाम से जानते हैं। होली कथा से लेकर होली के रंग छुड़ाने के नायाब नुस्खे हैं मेरे होली लेखन में। मैंने होली पर स्पेशलाइजेशन किया है। तुम मेरी कमियां देखने की बजाय, आराम से रोटी-पानी, खाओ-पीओ और मस्त रहो। मुझे मेरा काम करने दो। मेरे पास कुछ पत्रिकाओं से पत्र आ चुके हैं। उन्हें होली पर खास सामग्री चाहिए। वे मेरे भरोसे हैं। इसलिए मुझे होली रचनाएं भेजने दो। ज्यादा बोरियत हो रही है तो अपना अखाड़ा कहीं और जमा लो। मेरे काम में बाधक मत बनो। होली आएगी तो होली पर लिखना ही पड़ेगा।' निंदक जाने एवज मुझसे बोला-'लिखो तो कोई परेशानी नहीं है। तुम तो पुरानी रचनाओं को टाइप कराते हो और एक साथ जारी कर देते हो। नए जमाने की नई होली पर लिखकर बताओ। मेरा मतलब नए जमाने में जब लोग होली खेलना ही भूल गए हैं तो तुम्हारी होली का मायने क्या है?' मैंने कहा-'सिर मत चाटो निंदक जी। मुझे मेरा काम करने दो। मैं होली वाला ही सही, आखिर हूं तो लेखक ही।' निंदक ने मुझे लानत दी और आंगन की कुटिया से निकलकर सडक़ों पर भागने लगा। मुझे पता था निंदक थक-हारकर पुनः मेरे घर लौट आएगा। लेकिन उसके चले जाने से मैं, होली और निंदक तीनों हैरान थे।

देश दुनीया से

जिन मुद्दों पर बहस होनी चाहिए...क्या राजनीतिक दल उन पर ध्यान देंगे?

भारत के लोकतंत्र के महोत्सव का बिगुल बज चुका है और वाक्पटु प्रचार अभियान गूंजने लगे हैं। चुनाव अभियान तो एक तरह से पक्षपातपूर्ण व्याख्याएं होती हैं। लेकिन घोषणापत्र पवित्र वादों के साथ होते हैं। वहीं, इन सबसे अलग, जो मुद्दे बहस और प्रतिस्पर्धी विचारों की स्पर्धा के लायक होते हैं, वे अक्सर भावनात्मक मुद्दों से पीछे रह जाते हैं। भारत विकासशील से विकसित अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह पांचवीं सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है, जो इस दशक के अंत तक 100 खरब अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था के राजनीतिक भूगोल में आय और समृद्धि का अंतर साफ दिखता है। याद रखना जरूरी है कि हर चीज को वृहद परिप्रेक्ष्य में देखने पर वे छोटे, पर महत्वपूर्ण मुद्दे धूमिल हो जाते हैं, जो विकसित भारत के आदर्श की दिशा में इस यात्रा की प्रगति को बाधित कर सकते हैं।

प्राथमिक शिक्षा : नई सहस्राब्दी की शुरुआत में जनसांख्यिकीविदों और ब्रिक्स रिपोर्ट के लेखकों ने जनसांख्यिकीय लाभांश की संभावना की भविष्यवाणी की थी। लाभांश का लाभ मानव पूंजी में निवेश पर निर्भर करता है। साथ ही यह इस पर भी निर्भर करेगा कि प्रौद्योगिकी से संचालित वैश्विक अर्थव्यवस्था में अवसरों का लाभ के लेने लिए युवा कितने सक्षम हैं? प्रथम फाउंडेशन ने हाल ही में 14 से 18 वर्ष के बच्चों के कौशल पर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें पाया गया कि हर चार में से एक बच्चा दूसरी कक्षा के पाठ अपनी क्षेत्रीय भाषा में धाराप्रवाह नहीं पढ़ सका। वहीं, आधे बच्चों को तीन अंकों की संख्या को एक अंक से भाग देने में कठिनाई हो रही थी। सच तो यह है कि भारत की सरकारें छह दशकों से शिक्षा पर जीडीपी का छह फीसदी व्यय करने का वादा करती रही हैं, लेकिन किया नहीं। इसका समाधान तकनीक से, जैसे विभिन्न प्लेटफॉर्म और एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) की मदद से किया जा सकता है। पर क्या राजनीतिक दल इसका समाधान कर पाएंगे?

जॉब, कौशल और एआई फैक्टर : सरकार ने रोजगार सृजन को लेकर कई तरह से और कई स्रोतों से आंकड़े पेश किए हैं। फिर भी जनमत सर्वेक्षणों में बेरोजगारी के आंकड़े बड़ी चिंता का विषय बने हुए हैं। दरअसल जरूरत और उपलब्धता के बीच अंतर है, जिसका प्रमाण पिछले महीने ही मिला, जब 48 लाख से अधिक भारतीय युवा 60 हजार पदों की एक परीक्षा में शामिल हुए। दूसरी ओर, एआई को अपनाने से आईटी सेक्टर की नौकरियों पर भी संकट है। एनवीडिया के हुआंग जेनसन का कहना है कि एआई पूरी तरह कोडिंग पर कब्जा कर लेगा। नैसकॉम के अध्यक्ष ने कहा कि बीपीओ कर्मियों को एआई से सबसे ज्यादा खतरा है। एक्सेंचर की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में काम के 44 फीसदी घंटे स्वचालित हो सकते हैं। क्या पार्टियों के पास जर्मनी और नीदरलैंड की तरह प्रभावी श्रम नीति है? हां, कांग्रेस ने जरूर स्नातक या डिप्लोमा धारकों की अप्रेंटिसशिप का विचार सामने रखा है। लेकिन क्या यह व्यवहारिक होगा? क्या चुनाव अभियान जॉब, कौशल और जेनरेटिव एआई पर बहस के गवाह बनेंगे?

प्राथमिक स्वास्थ्य : भारत का आयुष्मान भारत कार्यक्रम दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक है। इसके अंतर्गत 30 करोड़ से अधिक लोग नामांकित हैं। वहीं, 6.20 करोड़ लोग अस्पतालों में भर्ती होकर इस योजना के तहत इलाज करा चुके हैं। फिर भी भारत की प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को लंबा रास्ता तय करना है। निश्चित रूप से इसने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित 834 लोगों पर एक डॉक्टर की उपलब्धि को हासिल कर लिया है, पर अब भी 140 करोड़ लोगों पर 13.08 लाख एलोपैथिक डॉक्टर उपलब्ध हैं। और, इनका झुकाव भी शहरी भारत की ओर है। कर्मियों और बुनियादी ढांचे की कमी लंबे समय से बनी हुई है। भारत के 5.90 लाख गांवों में 1.90 लाख उपकेंद्र, 31,000 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 6,064 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 79.50 फीसदी तक विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है। क्या राजनीतिक दलों के पास इसका समाधान है?

चुनाव अभियान तो एक तरह से पक्षपातपूर्ण व्याख्याएं होती हैं। लेकिन घोषणापत्र पवित्र वादों के साथ होते हैं। वहीं, इन सबसे अलग, जो मुद्दे बहस और प्रतिस्पर्धी विचारों की स्पर्धा के लायक होते हैं, वे अक्सर भावनात्मक मुद्दों से पीछे रह जाते हैं। भारत विकासशील से विकसित अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह पांचवीं सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है, जो इस दशक के अंत तक 100 खरब अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था के राजनीतिक भूगोल में आय और समृद्धि का अंतर साफ दिखता है। याद रखना जरूरी है कि हर चीज को वृहद परिप्रेक्ष्य में देखने पर वे छोटे, पर महत्वपूर्ण मुद्दे धूमिल हो जाते हैं, जो विकसित भारत के आदर्श की दिशा में इस यात्रा की प्रगति को बाधित कर सकते हैं।

आप का नजरीया

इक तेरी, इक मेरी कांग्रेस

कांग्रेस के अपने ही सवाल पीछा नहीं छोड़ रहे, तो पार्टी चुनावी प्रश्नों पर अपना मत कैसे जुटाएगी। यहां कांग्रेस की जीती हुई सीटें क्यों निराश हुईं, सियासत ने तो बंद दरवाजों को हंसते देखा है। आश्चर्य है कि छह घंटियों के शोर से भी कांग्रेस के कान नहीं खुले, तो अब नया शोर कान फाडने पर उतारू है। सियासत के अपने दुर्ग और वीरभद्र की विरासत की प्रतीक मानी गईं प्रतिभा सिंह जो कह रही हैं, उसे प्रदेश तो सुन रहा है- कांग्रेस सुने या न सुने। पिछली संसद में जब प्रतिभा सिंह सांसद बनीं, तो कांग्रेस का रुतबा भाजपा की सत्ता को परेशान कर गया। तब अगर पार्टी ने हिमाचल में जीत की प्रतिभा को अंगीकार किया तो आज प्रतिभा सिंह की शिकायत को सुनें या वकालत को चुनें। मोहतरमा प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष हैं, बेटे विक्रमादित्य सिंह सुक्खू सरकार में काबीना मंत्री हैं, लेकिन राजनीति के रहट को अपने ही कुएं के पानी से शिकायत है। नाराजगी का आलम यह कि जिस मंडी संसदीय सीट पर कांग्रेस का पलड़ा भारी दिख रहा था, वहां पूर्व सांसद चुनाव के विरोध में अंगद का पांव दिखा रही हैं। वह एक पूर्व सांसद की हैसियत से कहीं आगे निकलकर बतौर पार्टी अध्यक्ष के रूप में जो कह रही हैं, वहां अनेकों कठघरे खाली हैं। इन सर्द हवाओं को छू कर देखना, भीतर से जलाने की अदाकारी छुपी है। हिमाचल कांग्रेस बनाम हिमाचल सरकार के बीच अहम और वहम के युद्ध अभी शांत नहीं हैं। प्रतिभा सिंह न जाने कितने ठीकरे फोड़ रही हैं, 'कांग्रेस की आशाओं पे अपनों की शामत, इस हुस्न को आवारगी ने बर्बाद कर दिया' दरअसल स्थिति यह है कि न पार्टी को वांछित का पता और न ही अवांछित से गिला। परिदृश्य में चारों तरफ कई लंकाएं जल रही हैं, फिर भी कहीं किसी को धुएं से शिकायत नहीं। ऐसे में क्यों न माना जाए कि सत्ता और संगठन के बीच एक तेरी-एक मेरी कांग्रेस के द्वंद्व अब जिस मोड़ पर खड़े हैं, वहां सिर्फ फिरौतियां मांगी जा रही हैं। प्रतिभा सिंह की भाषा में भले ही कोई नया उच्चारण नहीं, लेकिन आरोपों की बुनाई में कई जाल हैं। किसी राज्य की पार्टी अध्यक्ष के ताजा बयानों के बगल में छुरी अगर नहीं देखी जाएगी, तो हलाल होने का यह मर्ज कांग्रेस से बहुत कुछ छीन सकता है। इसके बरअक्स भाजपा की ओर से न केवल लोकसभा की चार सीटों की तैयारी चल रही है, बल्कि उपचुनाव के महाभारत की पटकथा भी लिखी जा रही है। कमोबेश जिन आरोपों की बुनियाद पर कांग्रेस के उम्मीदवार को राज्यसभा चुनाव में शिकस्त मिली है, उन्हीं पर प्रदेशाध्यक्ष अगर तलवार भांज रही हैं, तो विपक्ष की जरूरत है कहां। क्या वाकई इस बार सत्ता का आलम मगरूर है या गफलत में वीरभद्र सिंह परिवार भयानक गलती को अंजाम दे रहा है। कहना न होगा कि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व राजस्थान व मध्यप्रदेश की तरह किंकत्र्तव्यविमूढ़ की स्थिति में अपनी ही संभावनाओं पर कुठाराघात करने पर तुला है। यह भी तब जब ऐसे मसलों पर समन्वय समिति का गठन हो चुका है। आश्चर्य यह कि समन्वय समिति का खिलौना भी यहां अपनी बैटरी के बिना दिखाई दे रहा है। कांग्रेस अपने संकट को जिस तरह हल कर रही है, उससे विकराल होती परिस्थिति का एक रूप अगर प्रतिभा सिंह अख्तियार कर रही हैं।

लोकतंत्र किसी को डकैती डालने की छूट नहीं देता : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (हिंस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोई भी कानून से बड़ा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र है इसीलिए अरविंद केजरीवाल बार-बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बन सके। मगर लोकतंत्र किसी व्यक्ति, पार्टी या संस्था को डकैती डालने की छूट नहीं देता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेश का मालिक नहीं होता। हमारा काम जनसेवक और कस्टोडियन का होता है। कोई भी, फिर चाहे मैं ही क्यों न हूं, अगर नियम विरुद्ध आचरण करूंगा तो मुझ पर भी देश का कानून लागू होगा। कोई व्यक्ति या सरकार खुद को कानून से ऊपर मानने लगे तो ये गलत है। ईडी एक स्वतंत्र नियामक संस्था है और केजरीवाल का मामला कोर्ट में है, इसे अब कोर्ट ही तय करेगी। ये बातें शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक निजी टीवी चैनल के साथ बातचीत के दौरान कही। उत्तर प्रदेश के बारे में आज देश और दुनिया की धारणा बदली है उन्होंने कहा कि यूपी में जो भी परिवर्तन दिखाई देता है, उसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी की जनता को दिया जाना चाहिए। प्रदेश के बारे में आज देश और दुनिया की धारणा बदली है। 2017 से पहले यहां लोगों के सामने पहचान का संकट था। हर दूसरे दिन दंगा होता था। न बेटी सुरक्षित थी न व्यापारी। सुरक्षा की स्थिति बदतर थी। प्रदेश में विकास का माहौल नहीं था। सरकारों ने अपने परिवार का विकास किया। जातीयता के नाम पर प्रदेश को विभाजित किया गया। मगर, आज ये नये भारत का नया यूपी है, जो देश की उभरती हुई अर्थव्यवस्था वाला प्रदेश है। यहां सर्वाधिक निवेश को धरातल पर उतारने का कार्य हुआ है। यूपी आज इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की योजनाओं को सबसे तीव्रता के साथ आगे बढ़ाने वाला प्रदेश बन चुका है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन करेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उनकी सरकार का सात साल का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। तीन साल सरकार ने कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का सामना किया। हमें चार वर्ष ही अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से जमीनी धरातल पर उतारने का मौका मिला। इसके बावजूद हमें यूपी की जीडीपी को दोगुना करने में सफलता मिली। आज यूपी एक रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है। 2017 से पहले हमें अपने कर्मचारियों को तनख्वाह देने तक का पैसा नहीं होता था। कोई बड़ा बैंक हमें पैसा नहीं देता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास की बात करती है, ध्रुवीकरण की राजनीति नहीं करती। हम लोकआस्था का सम्मान करते हैं। हम कर्फ्यू नहीं लगाते, कांवड़ यात्रा का मार्ग प्रशस्त करते हैं। प्रदेश में स्पिरिचुअल टूरिज्म में यूपी में बहुत संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि वह जितनी बार अयोध्या, मथुरा और काशी गए हैं, उतना कोई भी मुख्यमंत्री नहीं गया। यही कारण है कि 2017 से पहले की अयोध्या और अब की अयोध्या में संभावनाओं के मामले में 100 गुना ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। लाखों लोगों को रोजगार मिला है। सीएम ने बताया कि वे अपना चुनावी अभियान मथुरा में से आरंभ करेंगे। मुख्यमंत्री ने बदायूं की घटना को वीभत्स बताया। उन्होंने कहा बुलडोजर अन्यायियों और अत्याचारियों के साथ साथ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए चलता है। सीएम ने प्रदेश में हुए एनकाउंटर पर कहा कि पुलिस नियमानुसार अपना काम करती है। बेटी और व्यापारी को कोई भी परेशान करेगा तो कानून का राज स्थापित करने के लिए जो भी उपाय है, वह किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कहा कि हम हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं कर पाए, इसलिए शायद मुसलमानों के मन में जगह नहीं बना पाए। हिंदुस्थान में हमें यहां की मूल आत्मा का सम्मान करना पड़ेगा। हिंदू भारत की मूल आत्मा है। उसका अपमान नहीं किया जा सकता, जिसको गलतफहमी होगी कि हम इस भावना का अपमान करके राजनीति करेंगे, तो हम ऐसी राजनीति को ठोकर मारते हैं। हम देश की सुरक्षा और हिंदू आस्था के सम्मान पर कोई समझौता नहीं कर सकते। ईश्वर की कृपा और जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है। पेपर लीक के मामले पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें सख्त कार्रवाई की गई है। जो युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ करेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं आजम खां के मामले में सीएम ने कहा कि उनके कर्मों के कारण उन्हें न्यायालय से सजा मिली है। भारत की न्यायपालिका स्वतंत्र है। मुख्यमंत्री योगी ने सीएए के सवाल पर कहा कि भारत में मुस्लिमों की आबादी आजादी के बाद हिंदुओं से कई गुना तेजी से बढ़ी है। मगर पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में हिंदू आबादी कई गुना घटी है। अगर भारत सरकार यहां जन्मी सभी उपासना विधियों को मानने वाले शरणार्थियों को सीएए के माध्यम से भारत की नागरिकता दे रही है तो इसका स्वागत करना चाहिए था। इसके बदले अगर कोई हिंसा का रास्ता अख्तियार करता है तो उसके साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिए। सीएए भारत के वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा है। मुख्यमंत्री ने मदरसों के मॉर्डनाइजेशन के मामले पर कहा कि शरियत हमारा व्यक्तिगत विषय हो सकता है, मगर वह संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। हम मदरसों का मॉर्डनाइजेशन कर रहे हैं। हमें वैज्ञानिक, इंजीनियर, स्किल मैनपावॅर चाहिए। हमें अपने शिक्षण संस्थानों को उसी अनुरूप बनाना होगा। प्रदेश की शिक्षण व्यवस्था को एकरूपता देना हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी ने सपा-कांग्रेस गठबंधन पर कहा कि यह पहले भी हो चुका है। इन्हें प्रदेश की जनता ने अच्छे ढंग से सबक सिखा दिया था। यही कारण है कि राहुल और प्रियंका यूपी में आने का साहस नहीं दिखा पा रहे। अब आप झूठे वादे करके प्रदेश की जनता की आंखों में धूल नहीं झोंक सकते। भाजपा अपने सहयोगियों के साथ यूपी में अबतक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने जा रही है। यह पहला चुनाव होगा जिसके परिणाम के बारे में पूरा देश आश्वस्त है। मोदी की गारंटी पर देश का विश्वास है। चार जून को परिणाम आएंगे और नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कर्नाटक, तेलंगाना और महाराष्ट्र में पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में जहां बीजेपी कभी पीछे थी, वहां भी हम अच्छी सीटें लेकर आएंगे। सीएम ने बसपा के बारे में कहा कि उसका अपना वोटबैंक हैं।

भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव की शहादत पर निकली प्रभात फेरी

पलामू (हिंस)। शहीद ए आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के शहादत दिवस पर शहादत समारोह समिति मेदिनीनगर के तत्वावधान में शनिवार को प्रभात फेरी एवं माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कचहरी चौक से सुबह 8:30 बजे प्रभातफेरी निकाली गई। मुख्य मार्गों से होते हुए प्रभातफेरी में शामिल लोग भगत सिंह चौक पहुंचे। इस दौरान शहीद ए आजम भगत सिंह के विचारों से संबंधित नारे इंकलाब जिंदाबाद, साम्राज्यवाद का नाश हो, शहीदों तेरे अरमानों को मंजिल तक पहुंचाएंगे, समाजवाद जिंदाबाद आदि नारे लगाए गए। चौक पर पहुंचकर मासूम आर्ट ग्रुप, मिशन समृद्धि, नई संस्कृति सोसायटी, के कलाकारों के साथ मिलकर इप्टा के कलाकारों ने रामप्रसाद बिस्मिल, आलोक प्रकाश पुतुल एवं चंद्रशेखर भारद्वाज द्वारा लिखित गीतों की प्रस्तुति कर शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गीतों की प्रस्तुति के दौरान इप्टा के आलोक प्रकाश पुतुल द्वारा लिखित गीत *शहीदों तेरे नगमे,* रामप्रसाद बिस्मिल द्वारा लिखित गीत *मेरा रंग दे बसंती चोला* और इप्टा बेगूसराय के चंद्रशेखर भारद्वाज द्वारा लिखित गीत *फांसी का झूला झूल गया मस्ताना भगत सिंह* प्रस्तुत किया गया। गीतों की प्रस्तुति करने वाले कलाकारों में शालिनी श्रीवास्तव, पंकज निराला, संजीत दुबे, बबलू चावला, संजीव कुमार संजू, शशि पांडे, उत्कर्ष दुबे, रवि शंकर, विनय कुमार गुड्डन, चंदा झा, भांजा, फकलू, आकर्ष, सैकत चट्टोपाध्याय सहित कई कलाकार शामिल थे। इसके बाद शहादत समारोह समिति के अध्यक्ष डॉ. अरुण शुक्ला के नेतृत्व में प्रेम भसीन, शैलेंद्र कुमार, उपेंद्र कुमार, मिश्रा, केडी सिंह, सुरेश सिंह, आलोक श्रीवास्तव, शिव शंकर प्रसाद, जुगल पाल, बृजनंदन मेहता, शीला श्रीवास्तव, वैजयंती गुप्ता, चंदा झा, पंकज श्रीवास्तव, डॉ. इंतखाब असर ने सामूहिक रूप से शहीदे आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

अश्लीलता की होली जलाएगा गायत्री परिवार

जयपुर (हिंस)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से रविवार को होली महापर्व पर मुरलीपुरा में अश्लीलता निवारण रैली निकाली जाएगी। रैली निकाल कर गायत्री परिवार सभ्य और सुसंस्कृत समाज बनाने का आह्वान करेगा। रैली के अलावा विभिन्न शक्तिपीठों, चेतना केंद्रों पर भी अश्लीलता निवारण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुरलीपुरा के गायत्री चेतना केंद्र से यह रैली सुबह नौ बजे रवाना होगी। जो विभिन्न मार्गों से होते हुए पुन: चेतना केंद्र पहुंच कर संपन्न होगी। यहां अश्लील साहित्य, चित्रों की होली जलाई जाएगी। गायत्री परिवार राजस्थान के समन्वयक ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि होली जैसा पवित्र-पावन पर्व प्रेम, सद्भाव, भाईचारा तथा मेल मिलाप का संदेश देने वाला है। इसमें अश्लीलता का कोई स्थान नहीं है। आज आवश्यकता है सद्भाव संपन्न, लोक हितैषी ऊर्जावान व्यक्ति एकजुट होकर अश्लीलता उन्मूलन आंदोलन को गतिशील बनाएं।

समान नागरिक संहिता जैसे विभाजनकारी मुद्दे में सेना के शामिल होने पर उमर ने उठाया सवाल

श्रीनगर (हिंस)। नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को भारतीय सेना पर कश्मीर जैसी संवेदनशील जगह में समान नागरिक संहिता जैसे विभाजनकारी मुद्दे में शामिल होने पर सवाल उठाया। सेना कानूनी सीमाओं को नेविगेट करना भारतीय दंड संहिता 2023 को समझना और समान नागरिक संहिता की खोज विषय पर एक कानूनी जागरूकता सेमिनार आयोजित करने वाली है। सेमिनार 26 मार्च को कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाला है। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि क्या भारतीय सेना के लिए समान नागरिक संहिता के विभाजनकारी मुद्दे में शामिल होना उचित है और वह भी कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में? उन्होंने कहा कि सेमिनार के आगे बढ़ने से सेना पर धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप के साथ-साथ राजनीति की अस्पष्ट दुनिया में शामिल होने के आरोप लगने का खतरा है।

समृद्ध भारत बनाने की किसानों को दी गई नवीनतम तकनीक की जानकारी

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के कौआकोल के जेपी आश्रम सोखोदेवरा में कृषि विज्ञान केंद्र, ग्राम निर्माण मंडल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा के तत्वाधान में शनिवार को समृद्ध भारत के सपने को साकार करने के उद्देश्य से तकनीकी सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दरम्यान कृषि एवं पशुपालन के नवीनतम तकनीक को प्रदर्शित कर किसानों को दिखाया गया। कार्यक्रम के माध्यम से कृषि के नई तकनीक जीरो टिलेज, हैप्पीसीडर, कल्टीवेटर, रोटावेटर, पावर स्प्रेयर, रोटरी टिलर, प्लो, पावर हैरो, लेवलर, रिपर मशीन और डिस्क हैरो आदि कृषि संयंत्रों के बारे में जानकारी दी गई। वहीं पशुपालन से संबंधित तकनीक सहजन पिलेट, हेचरी, गौ पालन, आयुर्वेदिक किलनी मारने की दवा, ब्रॉयलर मुर्गियों के बड़वार के लिए सूखे नीम का पत्ती, आईएफएस मॉडल, आदि तकनीक का प्रदर्शन के माध्यम से किसानों को बताया गया।

ट्रांसजेंडरों के हित में कार्य करने वाले क्षेत्रों में 22 लोग होंगे सम्मानित

प्रयागराज (हिंस)। द नेशनल ट्रांसजेंडर अवार्ड का आयोजन दिल्ली के ललित होटल में दो अप्रैल को 11 बजे से होने जा रहा है। इसमें देश के प्रत्येक राज्य में किन्नर-ट्रांसजेंडर के हित में (सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक) कार्य करने वाले लोगों और संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध अभिनेत्री जरीन खान हैं एवं अध्यक्षता किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महाराज करेंगे। कार्यक्रम के संयोजक सोशल एक्टिविस्ट आर्यन हैं। आर्यन ने बताया है कि यह तीसरा द नेशनल ट्रांसजेंडर अवार्ड है। लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मा सलमा खान

मुंबई को तथा 10 लोगों को पाथ ब्रेकर अवार्ड प्रदान किया जाएगा। किन्नरों के उत्थान के लिए एम्स, यूएनडीपी, यूएन एड्स, अति, पूना वाला, रैकेट एसोसिएशन फॉर ट्रांसजेंडर हेल्थ इज इंडिया और नैको हैं। उन्होंने बताया कि किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की माता स्व. श्रीमती विधा अवार्ड दो उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को प्रदान किया जाएगा। इसमें दिल्ली की डॉ. बेला शर्मा और मुंबई की डॉ. पद्मा अय्यर हैं। ट्रांस लायसेंव अवार्ड हिंदुस्तान लि., गोदरेज, लवली प्रो को प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 3 अप्रैल को ट्रांसजेंडर विजिबिलिटी डे का आयोजन किया गया है, जबकि 4 अप्रैल को नेशनल नेटवर्क फार ट्रांसजेंडर पर्सन की वार्षिक बैठक यूएन हाउस में होगी। बैठक की अध्यक्षता किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर करेंगे। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर ने बताया कि द नेशनल ट्रांसजेंडर अवार्ड में शामिल हो रहे देश के बड़ी संख्या में ट्रांसजेंडरों को अगले वर्ष जनवरी माह में संगमनगरी में लगने वाले विश्व प्रसिद्ध महाकुंभ में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया जाएगा। जिससे बड़ी संख्या में किन्नर-ट्रांसजेंडर शामिल होकर सनातन धर्म के सबसे बड़े और विश्व प्रसिद्ध आयोजन को सफल बनायें। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के मेलाधिकारी विजय किरन आनंद के नेतृत्व में महाकुंभ की व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों, कल्पवासियों और संत-महात्माओं की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कांग्रेस को जो मिली हैं सीटें पिछली बार हो गई थी जमानत जब्त

लखनऊ (हिंस)। 2009 में उत्तर प्रदेश में 18.25 प्रतिशत वोट पाकर कांग्रेस ने 21 सीटें जीती थी। मौजूदा लोकसभा चुनाव में सपा से हुए समझौते के तहत प्रदेश में उसे सिर्फ 17 सीटों पर चुनाव लड़ना है। उसमें 50 प्रतिशत से अधिक सीटें कांग्रेस के पास ऐसी हैं, जिन पर 2019 में कांग्रेस उम्मीदवार की जमानत जब्त हो गई थी। वर्ष 2014 में उसे यूपी में सिर्फ एक सीट पर ही जीत हासिल बार सिर्फ एक सीट पर विजय मिली थी। कांग्रेस के हिस्से में आयी अमरोहा, गाजियाबाद, फतेहपुर सिकरी, झांसी, बाराबंकी, इलाहाबाद, महाराजगंज, देवरिया और वाराणसी सीट ऐसी है, जहां के उम्मीदवार अपनी जमानत भी नहीं बचा पाए थे। अमेठी सीट पर राहुल गांधी हार गए थे। वहीं रायबरेली में सोनिया गांधी ने विजय हासिल की थी। अमरोहा में कांग्रेस के उम्मीदवार राशिद अल्वी को 12, 510 वोट मिले थे, जबकि 6, 01, 082 वोट पाकर यहां से बसपा के कुंवर दानिश अली ने विजय हासिल की थी। वहीं गाजियाबाद से कांग्रेस से चुनाव लड़ने वाली डाली शर्मा ने 1, 11, 944 वोट पाए थे, जबकि भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिंह ने यहां 61.96 प्रतिशत वोट पाकर विजय हासिल की थी। फतेहपुर सीकरी में कांग्रेस उम्मीदवार राज बब्बर ने 1, 72, 082 वोट पाए थे। झांसी सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार शिवचरण कुशवाहा को 86, 139 वोट मिले थे। बाराबंकी में कांग्रेस के तनुज पुनिया को 1, 59, 611 वोट मिले थे। इलाहाबाद में कांग्रेस उम्मीदवार योगेश शुक्ला को 31, 953 वोट मिले थे। महाराजगंज से कांग्रेस की सुप्रिया श्रीनेत्र लड़ी थीं। उन्हें सिर्फ 72, 516 मत मिले थे। देवरिया लोकसभा सीट पर कांग्रेस के नियाज अहमद को 51, 056 वोट मिले थे। वाराणसी से कांग्रेस के अजय राय को 1, 52, 548 वोट मिले थे, जबकि विजय पाने वाले नरेंद्र मोदी को 6, 74, 664 वोट मिले थे। उसके हिस्से में एक सीट बासगांव भी आई है, जहां पर पिछली बार कांग्रेस ने उम्मीदवार ही नहीं खड़े किए थे। इस बार सिर्फ 17 सीटों पर चुनाव लड़ने के कारण कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह नहीं है। कुछ लोगों का मानना है कि इसी कारण सपा ने संयुक्त वार रूम बनाया है। सपा बार-बार कांग्रेस पर जल्द उम्मीदवार उतारने से लेकर चुनाव प्रचार की तेजी के लिए भी दबाव बना रही है।

बस-ट्रक में टक्कर, तीन बच्चों की मौत, दो दर्जन से ज्यादा घायल

लोहरदगा (हिंस)। झारखंड के लोहरदगा जिला के रांची-गुमला मुख्य पथ पर टाटी चौक के समीप शुक्रवार रात बस एवं हाईवा के बीच सीधी टक्कर में तीन बच्चों की मौत हो गई। वहीं दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। मृतकों में प्रियंका कुजूर, सुमित खेरवार और आठ माह का बच्चा शामिल है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है।

दारुल उलूम देवबंद पर प्रतिबंध लगाने की मांग

मुरादाबाद (हिंस)। अंतर-राष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष रोहन सक्सेना के नेतृत्व में बदायूं की घटना के विरोध में कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री योगी के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में मांग की गई कि दारुल उलूम देवबंद पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाय। नौनिहाल बच्चों की नृशंस हत्या करने वाले आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। पीड़ित हिंदू परिवार को तत्काल सुरक्षा मुहैया करवाई जाए। पीड़ित परिवार को तत्काल पांच करोड़ रुपए का मुआवजा एवं मां को सरकारी नौकरी दी जाए। इस मौके पर विभाग महामंत्री गौरव सैनी, अर्पित सक्सेना, जय किशन सैनी, दीनदयाल प्रजापति, दीप खुराना, महेंद्र सैनी, अमन सैनी, जतिन प्रजापति, मनोज, योगेश, नानू अग्रवाल, अजय समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव का नाम भी है ईडी की सूची में : ओमप्रकाश राजभर

लखनऊ (हिंस)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वक्त में ईडी स्वतंत्र रुप से कार्य कर रही है। पहली की सरकार में ईडी काम नहीं कर पाती थी। अरविन्द केजरीवाल पर ईडी की कार्रवाई बिल्कुल सही है। इस सूची में अखिलेश यादव का नाम भी शामिल है। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में शनिवार को एक बयान देते हुए कहा कि अखिलेश यादव को भी ईडी का डर है। अखिलेश जी के लोग भी जानते हैं कि कहीं उनके पर कार्रवाई ना शुरू हो जाए। इसके कारण उनकी पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। पल्लवी पटेल, स्वामी प्रसाद मौर्य भी छोड़कर चले गए। अल्पसंख्यक विभाग की योजना पर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर अल्पसंख्यक विभाग के कुछ मामले रखे हैं। जिसमें विभाग का बजट बढ़ाने का विषय है। इसके साथ ही सामूहिक विवाह का प्रस्ताव रखा है। मदरसा एक्ट पर आए हाईकोर्ट के निर्णय पर उन्होंने कहा कि ये हाईकोर्ट का आदेश है। इसमें अभी कुछ कह नहीं सकते हैं।

होलियाना मूड में नजर आए फारबिसगंज विधायक सकल मारवाड़ी समाज के होलीकोत्सव में झूमे

अररिया (हिंस)। रंगों के पर्व होली की खुमारी लोगों के सर चढ़कर बोलने लगी है। होली से पूर्व होलियाना मूड में लोग आ गए हैं और रंग अबीर और गुलाल का दौर जारी है। होली की रंगों की रंगीनियत में सराबोर होने का दौर भी शुरू हो चुका है। विभिन्न सामाजिक और जातीय संगठन की ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन कर होली के गीतों पर थिरकने का दौरा शुरू है। इसी कड़ी में फारबिसगंज में सकल मारवाड़ी समाज की ओर से तेरापंथ भवन में होलीकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां मारवाड़ी समाज के जैन समाज, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज और ब्राह्मण समाज के लोगों ने शिरकत की और होलीकोत्सव में जमकर एंजॉय किया। राजस्थान से आए कलाकारों ने ऐसा समा बांधा कि मानो फारबिसगंज में ही राजस्थान उतर आया हो। राजस्थानी संस्कृति से सराबोर कार्यक्रम में मारवाड़ी समाज के लोगों ने जमकर होली की मस्ती का मजा लिया। रंग अबीर

और गुलाल लगाकर राजस्थानी गानों पर जमकर थिरके। कार्यक्रम में फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी ने भी भाग लिया और राग के फाग के बीच उन्होंने भी लोगों के साथ होली गीत पर झूमे। बच्चे, बूढ़े, युवा सभी होली के मूड में नजर आए। विधायक ने मारवाड़ी समाज की ओर से होलीकोत्सव की बड़ाई की और कहा कि दूसरे समाज के लोगों को भी इससे सिख लेने की वकालत की। कार्यक्रम में राजस्थान से आए कलाकारों ने मौजूद लोगों का खूब मनोरंजन किया। कार्यक्रम के दौरान लजीज पकवानों का भी मौजूद लोगों ने स्वाद चखा।

पुष्कर में अंतर्राष्ट्रीय होली महोत्सव का आगाज

अजमेर (हिंस)। मशहूर *अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर होली महोत्सव* का आगाज हो गया है। पूरे पुष्कर में इन दिनों गीत-संगीत, विभिन्न तरह के पकवान और रंग-गुलाल की धूम है। रेतीले धोरों में डीजे पार्टी हो रही है, तो कस्बे के वराह घाट चौक में ढोल की थाप पर देसी-विदेशी पर्यटक थिरकते नजर आ रहे हैं। पुष्कर में होली का त्योहार दुनियाभर के लिए सेलिब्रेशन स्पॉट बन चुका है। पारंपरिक गैर नृत्य, चंग, ढोल और फाग के गीतों के साथ होली का त्योहार मनाया जाता है। डीजे पर बॉलीवुड और इंटरनेशनल म्यूजिक इस जश्न में जोशीला तड़का लगाता है। इस साल होली पर 23 से 24 मार्च के बीच यहां करीब 50 हजार से अधिक देसी-विदेशी पर्यटक आएंगे। इसमें दो हजार से अधिक विदेशी पर्यटक होंगे। पर्यटकों के रुझान को देखते हुए प्रशासन ने होली और मस्ती से जुड़े आयोजनों को प्रोत्साहित करना शुरू किया है। 19 मार्च से शुरू हुए अंतर्राष्ट्रीय होली

महोत्सव की समाप्ति 25 मार्च को डीजे पार्टी के साथ होगी। *अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर होली महोत्सव* की शुरुआत कस्बे के वराह घाट चौक से हुई। यहां करीब 100 वर्षों से ज्यादा समय से पारंपरिक होली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मंडल के सुरेंद्र राजोरिया और आशुतोष शर्मा ने बताया कि बीते 10 साल में कस्बे के युवाओं ने *ला बेला होली मंडल* नाम से आयोजन समिति का गठन किया। कार्यक्रम के दौरान किए जा रहे प्रयोगों की वजह से पुष्कर की होली अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हुई है। साउथ अफ्रीका की चिली से पुष्कर आईं हिवेरा ने बताया कि होली फेस्टिवल के लिए पुष्कर आई हूं। भारत में ये मेरी पहली विजिट है। यहां मैं पिछले एक महीने से हूं। पुष्कर में मेरा अनुभव शानदार रहा है। गलियों में बहुत खूबसूरत डेकोरेशन किया गया है। अजमेर कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर होली महोत्सव को नए आयाम देने और पुष्कर की धार्मिक आस्थाओं को बनाए रखने के लिए प्रशासन तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। उपखंड अधिकारी निखिल कुमार पोद्दार ने बताया कि अब तक करीब 20 होटल और रिसोर्ट से होली के आयोजन को लेकर अनुमति मांगी गई है। ये रिसोर्ट सैलानियों के लिए सांस्कृतिक और मॉडर्न इवेंट्स कर होली महोत्सव को खास बना रहे हैं। होटल एसोसिएशन के संरक्षक राजेंद्र महावर बताते हैं कि कस्बे में 2000 होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशाला हैं। ये सब 22 से 26 मार्च के लिए लगभग बुक हो चुकी हैं। इसके चलते लोकल टूरिज्म से जुड़े लोगों को काफी हाइक मिला है। सामान्य दिनों में 1500 रुपए में मिलने वाला कमरे का किराया 20 मार्च से 26 मार्च तक 5000 रुपए तक पहुंच गया है। फाइव स्टार होटल में किराया आमतौर पर 20 हजार से 30 हजार के बीच रहता है, जो होली महोत्सव के दौरान 40 हजार रुपए तक पहुंच जाता है। रेस्टोरेंट और होटल संचालक विनोद ओझा बताते हैं कि बीते वर्षों की तुलना में इस वर्ष अधिक पर्यटक पुष्कर पहुंचेंगे। 50 हजार पर्यटकों के आने की उम्मीद है। इससे छोटे होटल और गेस्ट हाउस में होली के तीन दिनों में लगभग दो करोड़ रुपए से अधिक का व्यापार का अनुमान लगाया जा रहा है। पुष्कर होली फेस्टिवल में शामिल होने के लिए देश से ही नहीं दुनिया भर से पर्यटक पुष्कर पहुंच रहे हैं। पुष्कर के होटल, गेस्ट हाउस पर्यटकों से आबाद हैं। होटल और गेस्ट हाउस संगठन से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पुष्कर में करीब दो हजार पर्यटक फिलहाल मौजूद हैं।

शहादत दिवस पर भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव को दी गई श्रद्धांजलि

भागलपुर (हिंस)। भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस पर शनिवार को सामाजिक संस्था जनप्रिय भागलपुर के सदस्यों द्वारा परबत्ती स्थित कार्यालय में और घंटाघर स्थित शहीद भगतसिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। मौके पर जनप्रिय के निदेशक गौतम कुमार ने कहा कि भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु आज की युवा पीढ़ी के लिए साहस के प्रतीक के साथ साथ प्रेरणा स्रोत भी है। आजादी आंदोलन में इन्होंने क्रांति की लौ जलाई थी वो आज भी युवाओं में धधक रही है। जनप्रिय महिला स्वावलंबन समिति की संयोजक रेखा कुमारी ने कहा भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को भारत की आजादी के लिए उनका

बलिदान और अटूट समर्पण वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। इकराम हुसैन शाद ने कहा आजादी के नायकों के जीवन और मूल्यों को समझने की जरूरत है। अर्जुन शर्मा ने कहा ऊंच-नीच, छुआछूत, जाति और धर्म पर आधारित भेदभाव को मिटाए बिना भगतसिंह सरीखे महान क्रांतिकारी के सपनों का भारत नहीं बन सकता।

सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा भारत का विदेशी मुद्रा भंडार, अब इतने अरब डॉलर बढ़ गया खजाना

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर ताजा आंकड़े जारी किए गए हैं। इन आंकड़ों के अनुसार भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे सप्ताह धनवर्षा हुई है। 15 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 642.49 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है। यह अब तक का सबसे उच्च स्तर है। सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा कोष में 6.396 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई।

आरबीआई की रिपोर्ट की खास बातें

भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि एक सप्ताह पहले भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 10.47 अरब डॉलर बढ़कर 636.095 अरब डॉलर हो गया था। कुल मिलाकर देखें तो बीते दो हफ्तों में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 16.86 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 15 मार्च को समाप्त सप्ताह में फॉरेन करेंसी एसेट्स यानी विदेशी मुद्रा आस्तियां भी 6.034 अरब डॉलर बढ़कर 568.386 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। फॉरेन करेंसी एसेट्स को विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माना जाता है।

भारत का गोल्ड रिजर्व 42.5 करोड़ डॉलर बढ़ा

भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी भी दी कि 15 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के गोल्ड रिजर्व की कीमत 42.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 51.14 अरब डॉलर हो गई है। रिजर्व बैंक ने बताया कि इस दौरान एसडीआर में भी बढ़ोतरी देखने को मिली, जो कि 6.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.276 अरब डॉलर हो गया है। उधर अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित जमा (फॉरेक्स रिजर्व) 12.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.689 अरब डॉलर हो गया है।

एप्पल में दर्जनों कर्मचारियों की नौकरी खतरे में, कंपनी ने 7 साल पुराने प्रोजेक्ट को किया बंद

वाशिंगटन । आईफोन बनाने वाली एप्पल ने लंबे समय से चल रहे एक प्रोजेक्ट को बंद करने का ऐलान किया है। इतना पुराना प्रोजेक्ट बंद होने से अब इससे जुड़े कर्मचारियों की नौकरी पर संकट आ गया है। बता दें कुछ समय पहले ही ऐप्पल ने अपने सेल्फ-ड्राइविंग कार से जुड़ा एक प्रोजेक्ट बंद किया था। इस बार कंपनी अपने स्मार्टवॉच से जुड़े एक प्रोजेक्ट को बंद कर रही है। दरअसल कंपनी अपनी स्मार्टवॉच के लिए खुद ही डिस्प्ले डिजाइन और डेवलप करती है, जिसे अब कंपनी ने बंद करने का फैसला किया है। कंपनी अब डिस्प्ले इंजीनियरिंग की टीम को बदल रही है। ऐसा अनुमान है कि कंपनी के इस प्रोजेक्ट को बंद करने से अमेरिका और एशिया में दर्जनों नौकरियां खतरे में आ जाएगी। सूत्रों ने कहा है कि कंपनी जिन प्रोजेक्ट्स को बंद कर रही है, उससे जुड़े कर्मचारियों को यह मौका दे रही है कि वे कंपनी के भीतर ही किसी दूसरे डिपार्टमेंट में अपने लिए कोई काम खोज लें, अगर उन्हें कंपनी के अंदर ही कोई और पोस्ट मिल जाती है तो वे ऐप्पल कंपनी में बने रहेंगे। हालांकि ये बात भी तय है कि बंद होने वाले प्रोजेक्ट से जुड़े सभी कर्मचारियों को कंपनी के भीतर ही नए रोल्स मिल पाएं, ऐसे में कई कर्मचारियों को कंपनी छोड़नी ही पड़ेगी। हालांकि कंपनी इन सभी कर्मचारियों को सेवरेंस देगी। कंपनी ने अपनी स्मार्टवॉच के लिए डिस्प्ले बनाने का एक प्रोजेक्ट सात साल पहले शुरू किया गया था। हालांकि कंपनी पहले से ही अपने प्रोडक्ट्स में डिस्प्ले को कस्टमाइज करती है, लेकिन वे काफी हद तक एलजी डिस्प्ले कंपनी और सैमसंग एसडीआई कंपनी जैसे पार्टनर्स के डिजाइन पर आधारित हैं।

चीन के वाणिज्य मंत्री से मिले एपल के सीईओ टिम कुक, शंघाई में नए स्टोर की ओपनिंग

नई दिल्ली । चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंताओ ने एपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक से

मुलाकात की। दोनों लोगों ने चीन में एपल के विकास और चीन-अमेरिका आर्थिक व व्यापार संबंधों पर अपने विचार साझा किए। यह बैठक कुक द्वारा शंघाई में एपल का सबसे नया स्टोर खोलने के एक दिन बाद हुई। फोन निर्माता एपल चीन में आईफोन की बिक्री में गिरावट और हुआवेई जैसे घरेलू प्रतिद्वंद्वियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा से जूझ रहा है। वांग ने कहा कि चीन-अमेरिका के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक स्थिर शक्ति है। चीन दोनों देशों के बीच व्यापार सहयोग के लिए एक निष्पक्ष, स्थिर और अनुमानित वातावरण बनाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ काम करने के लिए तैयार है। कुक के अगले सप्ताह बीजिंग में चीन विकास मंच में भाग लेने की उम्मीद है। इस दौरान शीर्ष चीनी नीति निर्माताओं के साथ विदेशी कंपनियों के सीईओ की एक सभा होगी।

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर लगाया 80 लाख रुपये का जुर्माना, एयरलाइंस ने तोड़ा था यह नियम

नई दिल्ली । डीजीसीए ने एयर इंडिया पर 80 लाख रुपये का भारी भरकम जुर्माना लगाया है। एयरलाइंस

द्वारा दो नियमों का उल्लंघन किया गया है। यह जुर्माना उड़ान सेवा अवधि (एफडीटीएल) सीमित करने और चालक दल के लिए थकान प्रबंधन प्रणाली (एफएमएस) से संबंधित मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया। दरअसल नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जनवरी में एयर इंडिया का ऑडिट किया था। इस दौरान डीजीसीए को कुछ सबूत मिले और इनके आधार पर यह फैसला किया गया है। डीजीसीए ने जारी किया बयान डीजीसीए द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि रिपोर्ट और सबूतों के विश्लेषण से कुछ बातें सामने आई हैं। पता चला है कि एयर इंडिया लिमिटेड ने कुछ मामलों में 60 साल से अधिक उम्र के दोनों चालक दल के सदस्यों के साथ उड़ान भरी थी। बयान के मुताबिक एयर इंडिया ने चालक दल को पर्याप्त आराम नहीं दिया। इसके अलावा लंबी उड़ानों से पहले और बाद में आराम देने में भी कोताही बरती। पहले भी हो चुकी है एयर इंडिया पर कार्रवाई इससे पहले भी डीजीसीए द्वारा एअर इंडिया पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। उस दौरान एयरलाइंस को कारण बताओं नोटिस भी जारी किया गया था।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद, 48 पैसे लुढ़का, इन वजहों से मजबूत हुआ डॉलर

नई दिल्ली ।
डॉलर के मुकाबले रुपया 48 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 83.61 के सार्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। प्रमुख विदेशी मुद्राओं की तुलना में डॉलर के मजबूत होने और एशियाई मुद्राओं के कमजोर होने से रुपये में गिरावट आई। बाजार सूत्रों ने कहा, घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी के कारण भी रुपये की धारणा प्रभावित हुई। इससे पहले 13 दिसंबर, 2023 को रुपये ने 83.40 का निम्नतम स्तर छुआ था।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोरी के साथ 83.28 पर खुला। दिन के कारोबार में यह 83.65 के निचले स्तर तक आ गया था। पिछले कारोबारी सत्र में घरेलू मुद्रा 83.13 प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 फीसदी तेजी के साथ 104.32 पर पहुंच गया।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने 3,309.76 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

इन वजहों से मजबूत हुआ डॉलर

शेयरखान बाय बीएनपी पारिबा के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, कमजोर यूरो व पाउंड के कारण डॉलर मजबूत हुआ। यूरो में गिरावट इसलिएआई क्योंकि स्विस नेशनल बैंक ने ब्याज दरों में 0.25 फीसदी से लेकर 1.5 फीसदी तक की कटौती कर बाजारों

को आश्चर्यचकित कर दिया। इससे जून, 2024 में यूरोपीय सेंट्रल बैंक की ओर से ब्याज दर घटाने की संभावना बढ़ गई है। बैंक ऑफ इंग्लैंड के ब्याज दर 5.25 फीसदी पर स्थिर रखने से पाउंड में भी गिरावट आई। अमेरिका के मजबूत आर्थिक आंकड़ों ने भी डॉलर का समर्थन किया।

चांदी के दाम 760 रुपये घटे

वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में नरमी के बीच दिल्ली सराफा बाजार में सोना 875 रुपये सस्ता होकर 67,000 के नीचे आ गया और 66,575 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी भी 760 रुपये सस्ती होकर 76,990 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 67,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। जेएम फाइनेंशियल एंड ब्लिंककेएक्स के शोध उपाध्यक्ष (कमोडिटी-करेंसी) प्रणव मेर ने कहा, मुनाफावसूली व डॉलर सूचकांक में तेज उछाल के कारण सोने की कीमतें सार्वकालिक उच्चतम स्तर से करीब 2 फीसदी नीचे आ गई हैं।

मारुति सुजुकी ने वापस बुलाईं 16 हजार गाड़ियां, गाड़ियों के फ्यूल पंप मोटर के एक हिस्से में खराबी आने पर लिया फैसला

मुंबई । बलोनो और वैगनआर गाड़ियों के फ्यूल पंप मोटर के एक हिस्से में संभावित खराबी की वजह से मारुति सुजुकी इंडिया ने बाजार से करीब 16 हजार गाड़ियां वापस बुलाने का फैसला किया है। कंपनी के बलोनो और वैगनआर गाड़ियों के फ्यूल पंप मोटर के एक हिस्से में संभावित खराबी की जानकारी मिली है। जिसे ठीक करने के लिए कंपनी बलेनो और वैगनआर की 16,000 से अधिक इकाइयों को वापस मंगा रही है। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी ने कहा कि कंपनी 30 जुलाई, 2019 और 1 नवंबर, 2019 के बीच बनी बलेनो की 11,851 इकाइयों और वैगनआर की 4,190 इकाइयों को वापस बुला रही है। फाइलिंग में कहा गया है कि ऐसा संदेह है कि इन गाड़ियों के फ्यूल पंप मोटर के एक हिस्से में संभावित खराबी है, जिससे इंजन से जुड़ी समस्या हो सकती हैं। साथ ही कंपनी ने कहा कि इस अवधि के दौरान बनी गाड़ियों को जो ग्राहक खरीद चुके हैं वे उनसे संपर्क करेगी और उन्हें इस समस्या को ठीक करवाने के लिए उनसे डीलरशिप से संपर्क करने के लिए कहेगी। मारुति सुजूकी इंडिया का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 33.3 फीसदी बढ़कर 3,207 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही के दौरान जिंस कीमतों में नरमी और स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) एवं सीएनजी कारों की दमदार बिक्री से मुनाफे को बल मिला। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान जिंस कीमतों में नरमी आने से कंपनी की सामग्री लागत एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले महज 9.7 फीसदी बढ़कर 18,561 करोड़ रुपये हो गई। तिमाही के दौरान कंपनी ने 5,01,207 वाहनों की बिक्री की जो एक साल पहले की इसी अवधि के मुकाबले 7.6 फीसदी अधिक है।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में हल्की कमजोरी रही

सेंसेक्स 72,831 और निफ्टी 22,096 पर बंद

मुंबई ।
बीते सप्ताह वैश्विक बाजारों में कमजोरी और अमेरिका के फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं होने से घरेलू शेयर बाजारों में हल्की कमजोरी रही। बीते सप्ताह कमजोरी के साथ शुरू हुए शेयर बाजार सप्ताह के आखिर में तेजी के साथ बंद हुए। शेयर बाजार में सप्ताह में तीन दिन गिरावट और दो दिन तेजी के साथ शुरुआत हुई। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 48 अंक बढ़कर 72,798 पर खुला और 104.99 अंक की बढ़त के साथ 72748.42 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 9 अंक की गिरावट के साथ 22,015 पर खुला और 32.35 अंक तेजी के साथ 22055.70 पर बंद हुआ। शेयर बाजार के इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ 72,397 पर खुला और 736.37 अंक टूटकर 72,012.05 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी हल्की गिरावट के साथ 21,953 के स्तर पर खुला और 238.25 अंक के नुकसान से 21,817.45 पर बंद हुआ। ब्याज दरों पर यूएस फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले वैश्विक बाजारों से मिले संकेतों के आधार पर भारतीय शेयर बाजार में हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 212 अंक बढ़कर 72,233 पर खुला और 89.64 अंक की बढ़त के साथ 72,101.69 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 71 अंक की बढ़त के साथ 21,888 पर खुला और 21.65 अंक चढ़कर 21,839.10 पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 595.02 अंक मजबूत होकर 72,696.71 पर खुला और 539.50 अंक की तेजी के साथ 72,641.19 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 181.85 अंक चढ़कर 22,020.95 अंक पर खुला और 172.90 अंक की बढ़त के साथ 22,012.00 अंक पर बंद हुआ। आईटी सेवा प्रदाता कंपनी एसेंचर की ओर से वित्तीय वर्ष 2024 के लिए राजस्व में कमी की आशंका जताने के बाद सेक्टर के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

देश में विस्तार की योजना बना रही इंडिगो, बेड़े में हर हफ्ते एक से ज्यादा विमान जोड़ने की योजना

मुंबई ।
देश की प्रमुख एयरलाइन कंपनियों में से एक इंडिगो अपने विस्तार को लेकर योजना बना रही है। कंपनी ने संभावना जताई है कि वित्त वर्ष 2025 में उसके बेड़े में हर हफ्ते एक से अधिक विमान शामिल हो सकते हैं। इसी के साथ कंपनी का वित्त वर्ष 2024- 25 में करीब 6000 कर्मचारियों को जोड़ने का भी लक्ष्य है। एयरलाइन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले वित्तीय वर्ष में क्षमता के साथ-साथ कंपनी के पास यात्रियों की संख्या में भी दोहरे अंकों वृद्धि होने की उम्मीद है। बता दें इंडिगो की घरेलू बाजार में करीब 60 फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी है इसी के साथ ये एक कम लागत वाली एयरलाइन भी है। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 के लिए क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। जो कि वित्त वर्ष के लिए था। फरवरी के अंत तक कंपनी के पास 366 विमान थे, जबकि वित्त वर्ष 2013 के अंत में इसके बेड़े की संख्या 304 थी। एयरबस के पास इंडिगो के पास 960 विमान ऑर्डर हैं। यह भी दावा किया जा रहा है कि यह 2030 तक 600 से ज्यादा विमानवाहक पोत बनने की ओर अग्रसर है। 2005 में स्थापित इंडिगो बाजार हिस्सेदारी के मामले में भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी है और 350 से अधिक विमानों

के बेड़े का संचालन करती है। एयरलाइन वर्तमान में लगभग 2000 दैनिक उड़ानें संचालित कर रही है और 85 से अधिक घरेलू गंतव्यों और 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ रही है। इंडिगो हाल ही में 2,000 दैनिक उड़ानें संचालित करने और एक वर्ष में 100 मिलियन यात्रियों को ले जाने वाला भारत का पहला वाहक बन गया है। बता दें कि कम लागत वाली वाहक अकासा, जो अंतरराष्ट्रीय उड़ाने शुरू करने वाली सबसे नई कंपनी है, के बेड़े में 24 विमान हैं और अभी ऑर्डर पर 202 विमान हैं। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 25 में अपने बेड़े में नए विमानों को जोड़ने के साथ अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में विस्तार करना भी है।

भारत ने प्याज के निर्यात पर जारी प्रतिबंध अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया, इन देशों में बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली ।
भारत ने प्याज के निर्यात पर अपने प्रतिबंध को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया है। आम चुनाव से पहले सरकार के इस कदम से विदेशी बाजारों में प्याज की कीमतों में इजाफा हो सकता है। दुनिया के सबसे बड़े प्याज निर्यातक भारत द्वारा दिसंबर में लगाया गया प्रतिबंध 31 मार्च को समाप्त होने वाला था। इससे पहले व्यापारियों ने अनुमान लगाया था कि इसे हटा

दिया जाएगा क्योंकि निर्यात प्रतिबंध लागू होने के बाद से स्थानीय कीमतें आधी से कम हो गई हैं और इस सीजन के उत्पाद की ताजा आपूर्ति भी शुरू हो गई है। हालांकि, सरकार ने जारी एक आदेश में कहा है कि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध अगली सूचना तक लागू रहेगा। मुंबई की एक निर्यात कंपनी के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, नई फसल से बढ़ती आपूर्ति के साथ गिरती कीमतों को देखते हुए यह विस्तार आश्चर्यजनक और पूरी तरह अनावश्यक है। सबसे बड़े प्याज उत्पादक राज्य महाराष्ट्र के कुछ थोक बाजारों में प्याज की कीमतें दिसंबर के 4,500 रुपये से घटकर 1,200 रुपये (14 डॉलर) प्रति 100 किलोग्राम हो गई हैं। देश में 19 अप्रैल से उसके बाद सात सप्ताह के दौरान आम चुनाव होने हैं। बांग्लादेश, मलेशिया, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश प्याज की आपूर्ति में अपनी जरूरतों को पूरा करने में भारत से आयात पर निर्भर हैं। इनमें से कई देश इस प्रतिबंध के बाद से उच्च कीमतों से जूझ रहे हैं। मुंबई स्थित एक निर्यात कंपनी के एक अन्य अधिकारी ने कहा, भारत के इस कदम से प्रतिद्वंद्वी निर्यातकों को अधिक कीमतें मिल रही हैं, क्योंकि खरीदारों के पास कोई विकल्प नहीं है। व्यापारियों का अनुमान है कि भारत से कई बाजारों में चीन या मिस्र जैसे प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कम समय में प्याज आयात होता है।

मोरबी पुल हादसा मामले में ओरेवा के एमडी जयसुख पटेल को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने शर्तों के साथ दी जमानत

नई दिल्ली ।
सुप्रीम कोर्ट ने ओरेवा समूह के प्रबंध निदेशक जयसुख पटेल को सख्त शर्तों पर रिहा करने का आदेश दिया। उन पर अक्टूबर 2022 में मोरबी पुल ढहने की घटना के संबंध में ट्रायल कोर्ट द्वारा फैसला किया जाना है। अक्टूबर 2022 में हुए हादसे में 135 लोग मारे गए थे। ओरेवा नामक कंपनी 2008 से पुल का प्रबंधन कर रही थी। कंपनी ने मरम्मत के बाद 2022 में दिवाली से पहले इसे नागरिकों के लिए खोल दिया था।

पटेल की भूमिका अधिक जांच के दायरे में आ गई क्योंकि उन्होंने पुल को फिर से खोलने की घोषणा करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी। लेकिन पुल को खोलने से पहले मरम्मत कार्य सही तरीके से किया गया है किया नहीं इस संबंध में कोई प्रमाण पत्र नहीं लिया गया।

पटेल 14 महीने से जेल में हैं। पटेल को जमानत देते हुए न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने पीड़ित के रिश्तेदारों की इस दलील पर विचार किया कि वह एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और इस मामले में पीड़ित के रिश्तेदारों का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील उत्कर्ष दवे को पुलिस सुरक्षा की आवश्यकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया, यह राज्य का कर्तव्य है कि वह मुकदमे के समापन तक वकील को दिए गए संरक्षण को जारी रखे। संबंधित पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी उक्त अधिवक्ता के खतरे की आवधिक समीक्षा करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह निडर होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में सक्षम रहें, क्योंकि वे पीड़ितों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

इसके अलावा, हाईकोर्ट ने आत्मसमर्पण करने से पहले पटेल की गायब रहने पर भी विचार किया। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि पटेल को एक सप्ताह के भीतर मोरबी अदालत के समक्ष पेश किया जाना चाहिए और ट्रायल कोर्ट को इस मुद्दे पर सरकारी वकील को सुनने के बाद कड़े नियम और शर्तों पर मुकदमे के लंबित रहने तक उन्हें जमानत पर रिहा करना किया जाए।

होली से पहले असम, छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता

नई दिल्ली । कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। क्रूड 3.77 फीसदी की गिरावट के साथ 78.01 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बंद हुआ, जबकि ब्रेंट क्रूड 1.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.90 के स्तर पर बंद हुआ। क्रूड की कीमतों में गिरावट का पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है। इस बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने देशभर में पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। सिर्फ चेन्नई को छोड़कर किसी भी महानगर में ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई में पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ है। वहीं बिहार समेत कुछ राज्यों में भी कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा आंध्रा प्रदेश, असम और छत्तीसगढ़ समेत कुछ प्रदेशों में ईंधन की कीमतें कम हुई हैं। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर हि। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.47 रुपये प्रति लीटर है। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.91 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 105.23 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.53 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

महिला हॉकी टीम अब प्रो लीग मुकाबलों की तैयारी करेगी : सविता

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाने का है मलाल

नई दिल्ली।
भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं करने पर वह अभी तक निराश हैं। सविता ने कहा कि अब उनका प्रयास टीम में इतना बेहतर बनाना रहेगा जिससे कि इस प्रकार की असफलता फिर देखने को न मिले।

रांची में जनवरी में खेले गए क्वालीफायर में जापान से हार के कारण भारतीय टीम के हाथ से पेरिस ओलंपिक जाने का अवसर निकल गया। उन्होंने कहा कि अब भारतीय टीम को मई जून में बेल्जियम में प्रो लीग मुकाबले खेलने हैं और टीम का ध्यान इसके लिए फिटनेस पर रहेगा। सविता ने कहा, 'अब नया कोर ग्रुप बनेगा और कुछ नए खिलाड़ी भी आएंगे। फिटनेस और ड्रैग फ्लिक पर फोकस रहेगा। जो हॉकी हम लगातार खेल रहे हैं, उसी पर काम करना है। वहीं पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर को लेकर इस अनुभवी गोलकीपर ने कहा, 'मैं उसके बारे में बात नहीं करना चाहती थी क्योंकि इससे दुख ही होता है। हमने टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने की खुशी देखी और अब ओलंपिक नहीं खेलने का दर्द भी पर हम खिलाड़ी हैं और हार जीत हमें बहुत कुछ सिखाती है। उन्होंने कहा, 'हम सभी ने अपना सौ फीसदी योगदान दिया और हमारी तैयारी बहुत अच्छी थी। उम्मीद है कि अगले टूर्नामेंटों में अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

भारत के लिये 2008 में सीनियर स्तर पर पदार्पण करने वाली सविता ने कहा, 'लोग सिर्फ परिणाम देखते हैं पर एक सीनियर खिलाड़ी या कप्तान के तौर पर मैं कह सकती हूं कि हमारा प्रदर्शन ग्राफ ऊपर ही गया है।

उन्होंने कहा, 'खेल की अच्छी बात यही है कि आपको पिछला भुलाकर बहुत जल्दी आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए मैं पुणे में सीनियर राष्ट्रीय महिला चैम्पियनशिप खेलने आई क्योंकि हॉकी मेरा जुनून है और मैदान से जितना दूर रहूंगी, ये बात परेशान करती रहेगी। क्वालीफायर हारने के बाद टीम को मिले ब्रेक में खिलाड़ियों को सारी निराशा भुलाकर नये सिरे से लौटने के लिये कहा गया था।

न्यूज ब्रीफ

सबालेंका और गॉफ मियामी ओपन के तीसरे दौर में

मियामी। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने लचीलेपन और फोकस का प्रदर्शन करते हुए मियामी ओपन में पाउला बडोसा पर 6-4, 6-3 की जीत के साथ तीसरे दौर में अपनी जगह पक्की की। बडोसा में एक दृढ़ प्रतिद्वंद्वी का सामना करते हुए, सबालेंका को शुरुआती सेट में प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। हालाँकि, अपनी ट्रेडमार्क दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने बडोसा की सर्विस तोड़कर महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। पहले सेट में, बडोसा ने बहादुरी से संघर्ष किया और सबालेंका के खिलाफ दो ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए उल्लेखनीय ताकत का प्रदर्शन किया और 3-2 की बढ़त बना ली। बेलारूसी खिलाड़ी ने आखिरकार स्पैनियार्ड की सर्विस तोड़कर 4-3 की बढ़त ले ली, लेकिन 4-5 से पिछड़ने के बाद अविश्वसनीय पकड़ बनाते हुए सबालेंका से दो सेट प्वाइंट छीन लिए। अपने चौथे सेट प्वाइंट के बाद, मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई चैंपियन 1-0 से आगे हो गई। मैच में बने रहने के लिए बडोसा के साहसिक प्रयासों के बावजूद, सबालेंका का दबदबा कायम रहा क्योंकि उन्होंने पहला सेट जीत लिया और दूसरे सेट में जीत हासिल करने के लिए अपनी लय बरकरार रखी। पाउला बडोसा पर जीत के साथ, सबालेंका के पास अब 2023 की शुरुआत से 25 डब्ल्यूटीए-1000 मैच जीत हैं, वह इगा स्वीयाटेक (40), एलेना रिबाकिना (34) और कोको गॉफ (26) के बाद ऐसा करने वाली चौथी खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका की जीत से अनहेलिना कलिनिना के खिलाफ तीसरे दौर का दिलचस्प मुकाबला तय हो गया है। इस बीच, एक अन्य कोर्ट पर, दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ ने नादिया पोडोरोस्का के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। गॉफ की अथक आक्रामकता और सटीकता ने उन्हें 6-1, 6-2 से शानदार जीत दिलाई। गॉफ का तीसरे दौर में ओसियाना डोडिन के खिलाफ मुकाबला होगा।

पेरिस ओलंपिक के लिए दोहा क्वालीफायर में उतरेंगे श्रेयसी , मेराज सहित 12 निशानेबाज

दोहा । भारतीय निशानेबाज श्रेयसी सिंह, मेराज अहमद खान के अलावा गनेमत सेखों के पास अब ओलंपिक क्वालीफाई करने अंतिम अवसर है। ये तीनों ही निशानेबाज अब दोहा में अगले माह होने वाली क्वालीफाइंग स्पर्धा में उतरेंगे। इस प्रतियोगिता में चार कोटा तय होंगे। इसमें पुरुष और महिला टीम के लिए ट्रैप एवं स्कीट में एक एक कोटा शामिल रहेगा। दोहा में 19 से 29 अप्रैल तक ये क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा। इसमें 12 सदस्यीय भारतीय शॉटगन टीम में चयनित किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने जुलाई अगस्त में होने वाले ओलंपिक से पहले कई महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए टीम की घोषणा की। भारतीय पुरुष ट्रैप में पृथ्वीराज टोंडाईमान और विवान कपूर जबकि महिला ट्रैप के लिए श्रेयसी और मनीषा कीर और मेराज और शीराज शेख पुरुष स्कीट और गनेमत और महेश्वरी चौहान महिला स्कीट में शामिल होने वाले नियमित निशानेबाज हैं।

पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान का 89 वर्ष की आयु में निधन

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान का लंबी बीमारी के कारण 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने दो अलग-अलग कार्यकालों के लिए पीसीबी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, दिसंबर 2003 से अक्टूबर 2006 तक और अगस्त 2014 से अगस्त 2017 तक। शहरयार खान ने 1999 के भारत दौरे और आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2003 के दौरान पाकिस्तान पुरुष टीम के टीम मैनेजर के रूप में भी काम किया। पीसीबी ने जारी एक बयान में कहा, 'पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड, अपने अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और कर्मचारियों के माध्यम से, लाहौर में पूर्व अध्यक्ष पीसीबी शहरयार खान के निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त करता है। इसमें आगे कहा गया, 'पीसीबी शहरयार खान के दुखद निधन पर उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और पिछले दशक के दौरान पाकिस्तान में क्रिकेट को वापस लाने में महत्वपूर्ण पात्रों में से एक के रूप में उन्हें हमेशा याद रखना चाहता है।' पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा, ''पीसीबी की ओर से, मैं पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान के निधन पर गहरी संवेदना और दुख व्यक्त करता हूं। वह एक अच्छे प्रशासक थे ।

श्रीकांत और प्रियांश क्वार्टर फाइनल में, सिंधू और लक्ष्य ने किया निराश, हार के साथ बाहर

बासेल (स्विट्जरलैंड)।
दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को जापान की 17 साल की जूनियर विश्व चैंपियन तामोका मियाजाकी से यहां स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन में हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा लक्ष्य सेन को ताइवान के ली चिया हाओ के हाथों प्री क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। किदांबी श्रीकांत, प्रियांश राजावत और किरन जॉर्ज ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर में बाहर होने वालीं पीवी सिंधू को तामोका से 21-16, 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य को ली चिया हाओ ने प्री क्वार्टर में 21-17, 21-15 से हराया। प्री क्वार्टर में श्रीकांत ने शीर्ष वरीय मलयेशिया के ली जिया को 21-16, 21-15 से पराजित किया। राजावत ने चीन के ली ला शी को 21-14, 21-13 से हराया। हालांकि जॉर्ज के लिए मुकाबला आसान नहीं रहा। उन्हें 71 मिनट के मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-18 से हार का सामना करना पड़ा।

श्रीकांत का मुकाबला क्वार्टर फाइनल में ली चिया हाओ जबकि राजावत का सामना ताइवान के चोऊ टिन चेन से होगा। किरन के सामने डेनमार्क के रेसमस जेमके होंगे।

चोट से उबरने के बाद लंबे समय बाद वापसी कर रहीं सिंधू को अपनी युवा प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ा लेकिन वह अपनी हार नहीं टाल सकीं। विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वालीं मियाजाकी ने पिछले हफ्ते फ्रांस में ओरलैंस मास्टर्स का खिताब जीता था।

जापानी खिलाड़ी ने पहला गेम गंवा दिया था लेकिन दूसरे गेम में वापसी कर ली। तीसरे और निर्णायक गेम में मियाजाकी के पास छह मैच प्वाइंट थे जिसमें सिंधू ने दो बचाए लेकिन शटल के नेट पर उलझते ही जापानी खिलाड़ी जीत गईं। इससे पहले बृहस्पतिवार को भारतीय महिला युगल त्रिशा जौली और गायत्री गोपीचंद ने हमवतन प्रिया और श्रुति मिश्रा को 21-10, 21-12 से हरा दिया था।

धोनी को कप्तान बनाने के लिए बीसीसीआई से सचिन तेंदुलकर ने की थी सिफारिश, बताई थी माही की क्या-क्या हैं खूबियां

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 से पहले ही एमएस धोनी ने सीएसके की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। टीम ने युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया। एमएस धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार आईपीएल में चैंपियन बनाया है। वहीं, तीन बार आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले भारत के एकमात्र कप्तान हैं। एमएस धोनी ने भारत को साल 2007 टी20 वर्ल्ड कप में चैंपियन बनाया। इसके साल 2011 में वनडे वर्ल्ड कप में 28 सालों का सूखा खत्म किया था। 2013 में इंग्लैंड में अंग्रेजों को हराकर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। सचिन ने खुलासा किया है कि धोनी को कप्तान बनाने के लिए बीसीसीआई को उन्होंने सलाह दी थी। सचिन ने बीसीसीआई से की थी सिफारिश जियो सिनेमा से बात करते हुए सचिन ने कहा कि कैसे उन्होंने 2007 में कप्तानी से इनकार कर दिया और इसके लिए एमएस धोनी की सिफारिश की थी। उन्होंने धोनी को कप्तान बनाने के कारण भी बताए थे। सचिन ने कहा था कि धोनी का दिमाग स्थिर है, वह शांत और सहज रहते हैं।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते नीतीश राणा

मुम्बई ।
कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से आईपीएल के 17 सत्र में खेल रहे बल्लेबाज नीतीश राणा का लक्ष्य इस लीग में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी टी20 विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना है। टी20 विश्व कप वह इस साल के अंत में वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में खेला जाएगा। राणा ने 2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ 2 टी20आई और एक वनडे खेला पर खराब बल्लेबाजी के कारण वह बाहर कर दिये गये थे।

अब वह अपनी जगह वापस पाने को लेकर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईपीएल 2024 में वह नाइट राइडर्स के लिए 600 से अधिक रन बनाना चाहते हैं। राणा ने कहा, हर कोई देश के लिए खेलना चाहता है और कई खिलाड़ियों के दिमाग में यह बात होगी पर अभी हमें आईपीएल पर ही ध्यान देना होगा। मैं भी टी20 विश्व कप टीम के लिए चयनित होना चाहता हूं, लेकिन इस समय मैं केवल आईपीएल के बारे में सोच रहा हूं। मेरा मानना है कि मैं इस टूर्नामेंट में 600 रन बना सकता हूं और मेरा लक्ष्य यही रहेगा।

राणा ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत 2016 में मुंबई इंडियंस (एमआई) की ओर से की थी। 2 सीजन के लिए 5 बार के चैंपियन का प्रतिनिधित्व करने के बाद वह आईपीएल 2018 से पहले नाइट राइडर्स में चले गए। 2017 से 2022 तक राणा ने हर सीजन में 2 से 3 अर्धशतक के साथ 300 के पार रन बनाए पर पिछले साल उन्होंने पहली बार 400 रन का आंकड़ा पार किया।

2023 में 14 मैचों में राणा ने अपने प्रयासों को दिखाने के लिए 31.77 के औसत और 140.96 के स्ट्राइक-रेट के साथ 3 अर्द्धशतक के साथ 413 रन बनाए।

अरशद को नया भाला नहीं मिल पाने से नीरज चोपड़ा हैरान

नई दिल्ली ।
ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा इस बात से हैरान हैं कि पाकिस्तान के अरशद नदीम को नया भाला नहीं मिल पा रहा है। नीरज के प्रतिद्वंदी नदीम ने हाल ही में कहा था कि वह नये भाले के लिए प्रयास कर रहे हैं और इसके लिए उन्होंने देश के खेल मंत्रालय और सरकार से भी कहा है पर उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है। नया भाला न होने से उन्हें पुराने भाले से ही पेरिस ओलंपिक के लिए अभ्यास करना पड़ रहा है। नदीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 90.18 मीटर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता था। नदीम ने जकार्ता एशियाई खेल 2018 में कांस्य पदक जीता था जबकि नीरज ने स्वर्ण पदक हासिल किया था। नीरज की मैदान पर नदीम से टक्कर होती है पर मैदान के बाहर वे अच्छे दोस्त हैं। चोपड़ा ने कहा,''यह विश्वास करना मुश्किल है कि उसे नया भाला हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहा है। उसके स्तर को देखते हुए यह आसानी से उपलब्ध होना चाहिये था।'' साथ ही कहा कि नदीम को इस मामले में पाक सरकार से पूरा सहयोग मिलना चाहिए।

भारत के साथियान ने डब्ल्यूटीटी खिताब जीता

बैरूत ।
भारत के स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी साथियान ज्ञानशेखरन ने यहां हुए डब्ल्यूटीटी फीडर सीरिज टूर्नामेंट में खितबी जीत के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। साथियान इसी के साथ ही डब्ल्यूटीटी फीडर टेबल टेनिस एकल खिताब जीतने पहले भारतीय बन गये हैं। साथियान ने इस मुकाबले के अंतिम दिन पुरुष एकल में अपने ही हमवतन मानव ठक्कर को 3.1 (6.11, 11.7, 11.7, 11.4) से हराया। इससे पहले उन्होंने भारत के ही हरमीत देसाई को 15.13, 6.11, 11.8, 13.11 से मात दी थी। इसके बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त चुआंग चिह युआन को 11.8, 11.13, 11.8, 11.9 से हराया था।

पुरूष युगल में भारत के मानव ठक्कर और मानुष उत्पलभाई शाह फाइनल में एंडी परेरा और जॉर्ज कंपोस से 11.5, 7.11, 11.13, 12.14 से हार गए। इसके अलावा मिश्रित युगल में भी भारतीय जोड़ी को जीत मिली। भारत की दिया चितले और मानुष शाह ने अपने ही देश के मानव और अर्चना कामथ को 11.6, 10.12, 11.6, 11.6 से हराया। वहीं महिला एकल में शिया लियान ने खिताब जीता। लियान ने सुह यो वोन को 11.9, 11.5, 11.5 से पराजित किया।

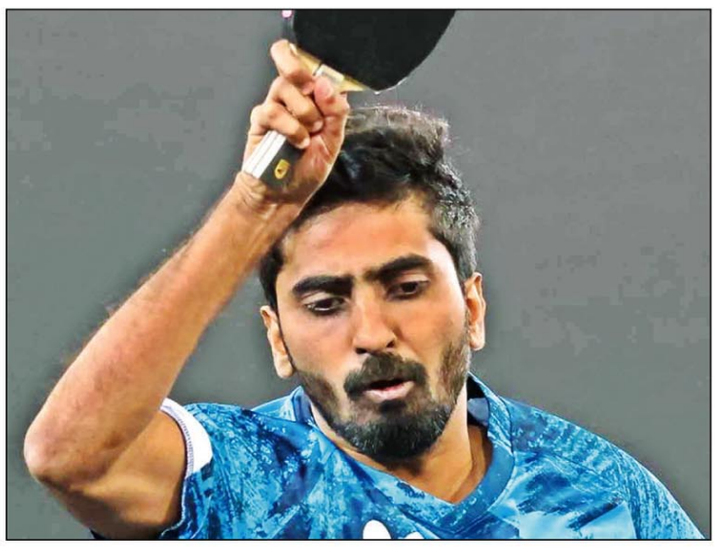

कप्तानी को लेकर कभी कोई दबाव महसूस नहीं हुआ, माही भाई मेरे साथ थे: रुतुराज

चेन्नई।
इंडियन प्रीमियर लीग में कप्तान के रूप में शानदार शुरुआत करते हुए, रुतुराज गायकवाड़ ने सीजन के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स को शानदार जीत दिलाई। रुतुराज के शांत और संयमित नेतृत्व में, सीएसके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आरसीबी के 174 रनों के लक्ष्य का आसानी से पीछा करते हुए चेन्नई के एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में 6 विकेट से शानदार जीत हासिल की। इस जीत ने गत चैंपियन के रूप में सीएसके की शक्ति को प्रदर्शित किया और कप्तान के रूप में महान एमएस धोनी द्वारा छोड़े गए शून्य को भरने के लिए रुतुराज की क्षमता की पुष्टि की।

टॉस हारने और पहले मैदान में उतरने के बावजूद, रुतुराज बेफिक्र रहे, उन्होंने गेंदबाजी में आश्चर्यजनक बदलाव किए, खासकर पावरप्ले के दौरान। पावरप्ले के अंतिम ओवर में मुस्तफिजुर रहमान को शामिल करने का उनका निर्णय महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि बांग्लादेशी तेज गेंदबाज ने महत्वपूर्ण प्रहार किए, आरसीबी के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया और उनका स्कोर 5 विकेट पर 72 रन कर दिया।

मैच के बाद की प्रस्तुति के दौरान, रुतुराज ने सीएसके के प्रदर्शन पर संतुष्टि व्यक्त की, और शुरू से ही खेल पर उनके पूर्ण नियंत्रण पर जोर दिया। उन्होंने सुधार के क्षेत्रों को स्वीकार किया, विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने में कि उनके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज पारी के दौरान बल्लेबाजी करें ताकि लक्ष्य का पीछा करना आसान हो सके।

मैच के बाद रुतुराज ने कहा, 'मैंने हमेशा इसका आनंद लिया है। राज्य की ओर से अतिरिक्त दबाव महसूस नहीं किया है। एक बार भी मुझे किसी चीज का दबाव महसूस नहीं हुआ। जाहिर तौर पर माही भाई मेरे साथ थे।

रुतुराज ने कहा, 'शुरुआत से ही पूरा नियंत्रण। 2-3 ओवर इधर-उधर लेकिन एक बार जब स्पिनर आए तो हम नियंत्रण में थे। 10-15 रन कम होते तो अच्छा होता लेकिन उन्होंने अच्छी वापसी की।

उन्होंने कहा, 'बहुत सारी सकारात्मकताएं हैं, लेकिन दो-तीन चीजों पर काम करना है। बल्लेबाजी में सभी ने योगदान दिया। अगर हमारे पास शीर्ष क्रम के कुछ बल्लेबाज होते, तो लक्ष्य का पीछा करना आसान होता। सीएसके के लिए मुस्तफिजुर की उल्लेखनीय शुरुआत, चार विकेट लेने और अपना सर्वश्रेष्ठ आईपीएल प्रदर्शन देने से मैच का माहौल तैयार हो गया। हालाँकि, आरसीबी ने बहादुरी से संघर्ष किया, जिसमें अनुज रावत और दिनेश कार्तिक ने 174 रनों का प्रतिस्पर्धी लक्ष्य निर्धारित करने के लिए 95 रनों की मजबूत साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए, सीएसके के बल्लेबाजों ने उल्लेखनीय निरंतरता का प्रदर्शन किया, जिसमें रचिन रवींद्र ने टीम के लिए अपने पदार्पण मैच में सिर्फ 15 गेंदों में 37 रनों की तूफानी पारी खेली। रुतुराज ने स्वयं संयमित 15 रनों का योगदान दिया, जबकि डेरिल मिशेल, अजिंक्य रहाणो, शिवम दुबे और रवींद्र जड़ेजा जैसे खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान किया, जिससे उनकी टीम की आसान जीत सुनिश्चित हुई। अपनी जीत के साथ, सीएसके अब अपनी अगली चुनौती पर नजरें गड़ाए हुए है, क्योंकि वे एक बहुप्रतीक्षित मुकाबले में गुजरात टाइटंस का सामना करने के लिए तैयार हैं, जो पिछले साल के फाइनल की याद दिलाएगा, जो मंगलवार, 25 मार्च को चेन्नई में होने वाला है।

त्वचा और बालों की देखभाल करे कर्पूर

आमतौर पर पूजा-पाठ में उपयोग किया जाने वाला कर्पूर स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। इसका उपयोग आयुर्वेद में भी किया जाता है। आयुर्वेद चिकित्सक देवेन्द्र गुप्ता ने बताया कि कर्पूर का उपयोग करने से ताजगी के साथ कई लाभ होते हैं।

घर में ताजगी के लिए कर्पूरः जैसे कपूर पूजा स्थल को पवत्रि और शुद्ध करता वैसे ही ये शरीर में ऊर्जा भरकर शरीर को ताजगी का आभास कराता है।

त्वचा की रक्षा : कर्पूर का एक गुण यह भी है कि ये त्वचा की पूर्ण देखभाल करता है और पिंपल, कील, मुहासे, दाग और फोड़े जैसी समस्याओं को आसपास भी नही फटकने देता है। इसके लिए आपको प्रतिदिन इसका तेल अपने चेहरे पर लगाना होता है।

बालों को मजबूत बनाए : कर्पूर का तेल बालों के लिए भी बहुत लाभकारी माना जाता है। कर्पूर के तेल को किसी अन्य सुगन्धित तेल के साथ मिलाकर बालों में लगाना चाहिये। इस तरह ये बालों की जड़ों को मजबूत करता है और बाल झड़ने की समस्या को दूर करता है।

फटी एड़ियां ठीक करेः सर्दियों में एड़ियां फट जाती हैं। इससे निजात के लिए थोडा गर्म पानी कर लें और उसमें कर्पूर की कुछ गोलियों को डालें। कुछ देर तक अपने पैरों को इस पानी में रखें और फिर साफ कर लें। इस उपाय को आप 15 से 20 दिनों तक अपनाएं।

घाव में आरामः खेलते-कूदते समय शरीर पर घाव लगना या थोडा बहुत हाथ जल जाना बहुत ही सामान्य बात होती है. इसके लिए हम अेसर किसी एंटीबायोटिक क्रीम या दवाई का इस्तेमाल करते है लेकिन इसकी जगह आप कर्पूर का इस्तेमाल करें तो जल्दी आराम मिलेगा।

हेल्थ अलर्ट

सुबह-सुबह पीएं गुनगुना पानी और शहद, होगा फायदा

सुबह उठकर गुनगुना पानी पीने के फायदों के बारे में तो जानते होंगे, लेकिन अगर उसमें शहद मिला दिया जाए तो यह और भी प्रभावी हो जाता है। इससे पेट भी ठीक रहता है और वजन कम करने में भी मदद मिलती है। इसलिए मौसम बदलने की वजह से अगर आपका पेट खराब हो गया हो तो इसे जरूर पिएं।

तुरंत एनर्जी देता है

सुबह के समय गुनगुना पानी और शहद पीने से दिन भर आप तरो-ताजा महसूस करेंगे। यह मेटाबॉलिज्म ठीक करता है जिससे जल्दी थकान नहीं होती और शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

इम्यून सिस्टम स्वस्थ रहता है

शहद में ऐंटीबैटीरियल तत्व पाए जाते हैं। इसमें विटमिन और मिनरल्स होते हैं, जिससे शरीर में बैटीरिया नहीं पनप पाते और इयून सिस्टम स्वस्थ रहता है।

गैस

पेट में गैस बनने से कई बार असुविधा होती है। गुनगुने पानी और शहद का सेवन करने से शरीर में गैस कम बनती है।

पेट होगा साफ

रोज गुनगुने पानी में शहद मिला कर पिएं इससे आपका पाचन तंत्र अच्छा रहेगा। शहद में ऐंटीसेप्टिक गुण होते हैं जिससे आपका पेट साफ रहता है और खाना आसानी से पच जाता है।

खांसी ठीक करता है

गुनगुना पानी और शहद लेने से गले के दर्द और जलन में आराम मिलता है। शहद से गले में परत जम जाती जिससे खांसी कम होती है गुनगुने पानी से गले की सिकाई होती है।

एलर्जी से बचाता है

सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में शहद लेने से वजन तो कम होता है, इसके साथ यह हमें ऐलर्जी से बचता है। गुनगुने पानी में शहद लेकर इससे बचा जा सकता है। यह आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद है।

वजन कम करे

गुनगुने पानी में शहद मिला कर पीने से वजन कम किया जा सकता है। शहद में पाई जाने वाली चीनी प्राकृतिक होती है जो शरीर में स्वस्थ कैलरी का स्रोत है।

गुनगुने पानी में शहद मिला दिया जाए तो यह काफी प्रभावी हो जाता है। मौसम बदलने से अगर पेट खराब हो गया हो तो इसे जरूर पिएं।

ध्यान रखें ये बातें, बनी रहेगी रिश्तों में मिठास

हमें लगता है कि क्लोज रिलेशन्स में हम अपने प्रियजन को कुछ भी बोल सकते हैं। ऐसा सोचने के पीछे हमारी धारणा होती है कि उस पर तो मेरा पूरा अधिकार है। यह सही है कि अपने अधिकारों के चलते हमें कुछ रिश्तों में खुद को व्यक्त करने की पूरी छूट होती है, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि हम बिना सोचे-समझे कुछ भी बोलकर अपने प्रियजनों को आहत कर बैठें। जानिए, हमारी कौन-सी आदतें अनजाने में ही हमारे रिश्तों में दिक्कत पैदा कर देती हैं...

बात-बात पर व्यंग करना

`लोज रिलेशन में जब हम किसी भी बात पर सटायर कर देते हैं और हमारे परिजन हंस देते हैं। लेकिन हर बार या बात-बात पर ऐसा करना सही नहीं होता है। दोस्तों के बीच भी इस बात का`याल रखें।

जबरदस्ती का दखल

कई बार हम किसी फ्रेंड या किसी रिलेटिव के पर्सनल मैटर में जरूरत से ज्यादा दखल देने लगते हैं और अनजाने में ही उन पर अपनी सोच थोपने लगते हैं। ऐसा करने से हमेशा बचना चाहिए।` योंकि भले ही ऐसा करने के पीछे आपकी कोई गलत मंशा न रही हो, लेकिन आपका अपनी बात थोपने का तरीका आपके प्रियजन को आहत कर सकता है।

हमें लगता है कि`लोज रिलेशन्स में हम अपने प्रियजन को कुछ भी बोल सकते हैं। ऐसा सोचने के पीछे हमारी धारणा होती है कि उस पर तो मेरा पूरा अधिकार है। यह सही है कि अपने अधिकारों के चलते हमें कुछ रिश्तों में खुद को व्यक्त करने की पूरी छूट होती है, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि हम बिना सोचे-समझे कुछ भी बोलकर अपने प्रियजनों को आहत कर बैठें। जानिए, हमारी कौन-सी आदतें अनजाने में ही हमारे रिश्तों में दिक्कत पैदा कर देती हैं...

बात-बात पर व्यंग करना

`लोज रिलेशन में जब हम किसी भी बात पर सटायर कर देते हैं और हमारे परिजन हंस देते हैं। लेकिन हर बार या बात-बात पर ऐसा करना सही नहीं होता है। दोस्तों के बीच भी इस बात का`याल रखें।

जबरदस्ती का दखल

कई बार हम किसी फ्रेंड या किसी रिलेटिव के पर्सनल मैटर में जरूरत से ज्यादा दखल देने लगते हैं और अनजाने में ही उन पर अपनी सोच थोपने लगते हैं। ऐसा करने से हमेशा बचना चाहिए।` योंकि भले ही ऐसा करने के पीछे आपकी कोई गलत मंशा न रही हो, लेकिन आपका अपनी बात थोपने का तरीका आपके प्रियजन को आहत कर सकता है।

अनजाने में ही उन पर अपनी सोच थोपने लगते हैं। ऐसा करने से हमेशा बचना चाहिए।` योंकि भले ही ऐसा करने के पीछे आपकी कोई गलत मंशा न रही हो, लेकिन आपका अपनी बात थोपने का तरीका आपके प्रियजन को आहत कर सकता है।

लेटलतीफी

जब भी दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ कहीं जाने का प्लान बनाएं तो वक्त का`याल रखें। दिए गए वक्त पर पहुंचे। अगर हर बार किसी प्लान में आपके दोस्त आपके कारण लेट होते हैं, तो हो सकता है कि आगे से वह आपको प्लान का हिस्सा ही न बनाएं। अगर आप ऐसी स्थिति फेस नहीं करना चाहते, तो लेटलतीफी की अपनी आदतो तो बदल लीजिए। यह आपको पर्सनल और प्रफेशनल दोनों फ्रंट पर मदद करेगा।

कमियां निकालना

कुछ लोगों में आदत होती है कि वह हर किसी में कमियां खोजते रहते हैं। पीठ पीछे चुगलियां करते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपकी छवि अच्छे इंसान की बने साथ ही लोग आपको रिस्पेट दें, तो जरूरी है कि आप भी दूसरों को सेमान दें। ऐसी आदतें आपके पारिवारिक रिश्ते तो खराब करती ही हैं, आपके करियर में बाधा पहुंचा सकती हैं।

ब्लेम गेम

गलती होने पर गलती स्वीकार लेना ही सही होता है। दूसरों पर आरोप मढ़ने से आपके नजदीकी लोगों के साथ आपके रिश्ते तो बिगड़ते ही हैं, आपकी छवि भी खराब होती है। जबकि गलती मान लेने से लोगों के बीच आपकी इमेज एक जिमेदार व्यक्ति की बनती है।

चीजें वापस न करना

जब आपको किसी चीज की जरूरत थी, तो आपने परिजनों या सहयोगियों से ले ली और काम पूरा होने पर लौटाना भूल गए। अगर ऐसा करना आपकी आदत में शुमार है, तो इस आदत को जल्दी ही छोड़ दीजिए। अगर नहीं छोड़ा, तो कहीं ऐसा न हो कि नेस्ट टाइम कोई आपकी मदद ही न करे।

जबरदस्ती का दखल

कई बार हम किसी फ्रेंड या किसी रिलेटिव के पर्सनल मैटर में जरूरत से ज्यादा दखल देने लगते हैं और

हेल्थ अलर्ट

तरबूज का सुंदरता से भी है गहरा नाता

तरबूज में कई सारे और भी गुण हैं जिससे आप शायद अब तक अनजान होंगे। ये आपकी सुंदरता को बढ़ाने की शक्ति रखता है और आपकी त्वचा को अंदर से सही करता है। इसे खाने तक ही सीमित मत रखिए इसका उपयोग आप अपने स्किन के लिए भी कर सकते हैं। इसका उपयोग सनबर्न और ऐसे ही त्वचा की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए किया जा सकता है।

जानें तरबूज के फायदे...

- तरबूज में पाए जाने वाले विटामिन ए की मात्रा स्किन के पोर्स के आकार को कम करता है जिससे त्वचा में बनने वाले तेल की समस्या भी कम हो जाती है।

- ये पोर्स को कम करने में मददगार होता है जिससे स्किन में बनने वाले तेल की मात्रा भी खत्म हो जाती है। और जब त्वचा में तेल नहीं बनेंगे तो ऐने और पिंपल की समस्या भी अपनेआप खत्म हो जाएगी। इसके लिए वॉटरमेलन जूस से रोज अपने चेहरे को मसाज करें।

- वॉटरमेलन का जूस एक नेचुरल टोनर की तरह भी काम करता है। इसमें हल्के मात्रा में पाए जाने वाले एसीडिक गुण आपकी त्वचा को प्राकृतिक रुप से टोन करता है।

- समर में त्वचा धूप से जलकर डल और बेजान हो जाती है। वॉटरमेलन का जूस चेहरे और गर्दन पर लगाएं और अपनी त्वचा को बनाये रखें जवां।

- वॉटरमेलन में 93 प्रतिशत तक टेस्टी पानी पाया जाता है। ये चेहरे के स्किन के अंदर से सारी गंदगियों को बाहर निकालने में काफी मददगार होता है।` लीयर और फ्रेश स्किन पाने के लिए रोजाना इसके जूस का सेवन करें।

वॉटरमेलन का एक छोटा स्लाइस लेकर उसे मैश करें फिर इसमें प्लेन दही डाल कर अच्छे से मिस कर के पेस्ट बना लें। अब इस पैक को चेहरे पर लगा कर 15 मिनट तक रखें। हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को धो लें और इसके 10-15 मिनट के बाद कोई अच्छा सा माइल्ड` लींजर लगाएं।

- एक छोटे बर्तन में एक बड़ा चेमच वॉटरमेलन का जूस और एक बड़ा मैश किया हुआ चेमच एवोकैडो लें। इन्हें अच्छे से मिस करके चेहरे और गर्दन पर लगायें। 15-20 मिनट के बाद इसे ठंडे पानी से धो दें और हल्के हाथों से थपथपा कर साफ तौलिए से सुखा लें।

- एक बड़े चेमच वॉटरमेलन जूस में एक बड़ा चेमच मैश किया हुआ केला मिलाएं। इसे अच्छे से मिस करने के बाद गर्दन और चेहरे पर लगायें। 20 मिनट के बाद इसे हल्के गुनगुने पानी से धो दें।

बोधगया का धार्मिक ही नहीं ऐतिहासिक महत्व भी है

बोधगया दुनिया का ऐसा महत्वपूर्ण स्थल है जो पूरी तरह बौद्ध धर्म को समर्पित है। यहां मौजूद बरगद के पेड़ के नीचे ही कपिलवस्तु के राजकुमार गौतम को बौद्धिक ज्ञान प्राप्त हुआ था और वह महात्मा बुद्ध के नाम से पूरी दुनिया में जाने गए। महात्मा बुद्ध ने अपने ज्ञान और उपदेश से बिहार में पहली बार बौद्ध धर्म का प्रचार किया। बुद्ध का सादा जीवन, उनका त्याग और लोगों के प्रति उनकी सहानुभूति के कारण लोगों ने बौद्ध धर्म को अपनाना शुरू किया। महात्मा बुद्ध की मृत्यु के बाद सम्राट अशोक ने फिर से बौद्ध धर्म का प्रचार किया और कई मठ बनवाए। साथ ही कई स्तंभ भी बनवाए, जिन्हें अशोकन पिलर्स को नाम से जाना जाता है। यह मठ आने वाले पर्यटकों को बुद्ध की जीवनी के बारे में जानकारी देते हैं। बोध गया का महाबोधी मंदिर और बोधी पेड़ वहां के गौरव ही नहीं, धरोहर भी हैं।

बोध गया का महाबोधी मंदिर वास्तु शिल्प का बेजोड़ उदाहरण है। मंदिरों को पिरामिड और बेलना आकार में बनाया गया है। 170 फीट ऊंचे इस मंदिर का बेंसमेंट 48 वर्ग फीट का है। मंदिर के ऊपर छत्र धर्म का प्रतीक माने जाते हैं। मंदिर के अंदर भगवान बुद्ध की भव्य प्रतिमा है, जिसे देख कर लोग अपने जीवन में सादगी और सद्भावना को ग्रहण करते हैं। मंदिर के पूरे आंगन में कई स्तूप बने हैं। जहां लोग

मन्नत मांगने आते हैं। 2500 साल पुराना यह स्तूप अपने आप में बेजोड़ कारीगरी का उदाहरण है।

बोधी पेड़ बोधगया का सबसे महत्वपूर्ण स्थान है। इसी वृक्ष के नीचे भगवान बुद्ध को निर्वाण की प्राप्ति हुई थी फिर बौद्ध धर्म का प्रचार हुआ था। बैशाख (मई) के महीने में यहां मेला लगता है। जिसमें इस वृक्ष की पूजा की जाती है। बौद्ध धर्म के अनुयायी खास तौर से इस पेड़ की पूजा करते हैं ताकि वह महात्मा बुद्ध के दिखाए पद चिन्हों पर चल सकें।

रत्नागढ़ में भगवान बुद्ध ने एक हेता बिताया था। इसके अलावा बुद्ध की 80 फीट की प्रतिमा, लोटस टैंक, बुद्ध कुंड, चाइनीज मंदिर और मोनेस्ट्री, बर्मी मंदिर, अंतरराष्ट्रीय बुद्धिस्ट हाउस और जापानी मंदिर, थाई मंदिर, तिबती मठ, वास्तुशिल्प के`यूजिक, दुर्गेश्वरी हिल वगैरह भी देख सकते हैं।

बोध गया के आसपास और भी ऐसी जगह हैं जहां आप भ्रमण के लिए जा सकते हैं। बोध गया से 32 किलोमीटर दूर देव स्थित सूर्य मंदिर की वास्तुकला बेहद खूबसूरत है। इस मंदिर को देखकर ओड़िशा के कोणार्क मंदिर की याद आती हैं योंकि इसका निर्माण कोणार्क मंदिर की तरह ही किया गया है। अेटूबर-नवेबर के महीने में यहां बिहार का पारंपरिक छठ उत्सव मनाया जाता है। बोधगया से 12 किलोमीटर दूर है प्रेतशीला पहाड़, जो गया की बेहद खूबसूरत जगह है। इस पहाड़ के नीचे है ब्रहम कुंड जिसमें स्नान कर लोग पिंडदान करते हैं। इस पहाड़ पर स्थित है 1787 में बना अहिल्या बाई मंदिर, जिसे इंदौर की रानी अहिल्या बाई ने बनवाया था। इस मंदिर की बेहतरीन कारीगरी और शानदार मूर्तिकला को देखने देश-विदेश से पर्यटक आते हैं।

फाल्गुन नदी के किनारे विष्णुगढ़ मंदिर बेजोड़ कारीगरी की मिसाल है। दूर-दूर से भक्त और पर्यटक इसके आर्कषण में खिंचे चले आते हैं। 1787 में ही इसे भी रानी अहिल्या बाई ने ही बनवाया था। तीस फीट ऊंचा अष्टभुजाकार मीनार इस मंदिर को छाया प्रदान करता है। 41 किलोमीटर की दूरी पर महत्वपूर्ण पुरातत्वीय जगह है बारबर गुफाएं। ये गुफाएं मौर्यकालीन हैं। ये गुफाएं वास्तुकला के शुरुआती दौर को दर्शाती हैं। इन गुफाओं में भगवान बुद्ध ने कुछ समय तपस्या की थी। इसी गुफा में उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। बोधगया जाने का बेहतर समय है अेटूबर से अप्रैल तक। जून के मध्य से सितंबर मध्य तक यहां बारिश की मौसम होता है। बोधगया जाने के लिए सड़क और रेलमार्ग का इस्तेमाल कर सकते हैं। दिल्ली से कोलकाता जाने वाली राजधानी ऐसप्रेस भी गया जाती है। हवाई मार्ग से भी वहां पहुंचा जा सकता है।

रेसिपी

सामग्री

छोटा चावल - 300 ग्राम (1 1/2 कप)
पाउडर चीनी - 100 ग्राम (आधा कप)
दही या दूध - 1 टेबल स्पून
घी - 2 टेबल स्पून
तिल -2 टेबल स्पून
तलने के लिए - घी

विधि

छोटे, नये चावल ले लीजिए, चावलों को साफ कीजिए, धोइए और भिगो दीजिए। चावल तीन दिनों तक भीगे रखने हैं लेकिन 24 घंटे बाद पानी बदल दीजिए। चावलों को किसी साफ मोटे सूती कपड़े के ऊपर छाया में फैला दीजिये, 1 या 1 1/2 घंटे में चावलों का पानी सूख जाता है(चावल पूरी तरह नहीं सूखने चाहिये वे नम ही रहें)। इन चावलों को मिक्सी से मोटा आटे जैसा पीस कर एक बर्तन में निकाल लीजिए, आटे को छलनी में छाना जा सकता है। चीनी पाउडर, चावल का पिसा आटा और घी को अच्छी तरह मिलाइए। दही को मथ कर या दूध चम्मच से थोड़ा डालिए और इस मिश्रण को इसी दही या दूध की सहायता से सख्त आटे की तरह गूथ लीजिए। आटे को 10-12 घंटे के लिये ढक कर रख दीजिए, आटा नरम हो कर सैट हो जाता है। कढ़ाई में घी डाल कर गरम कीजिए (कढ़ाई में घी इतना डालिए कि अनरसे अच्छी तरह डुब कर तले जा सकें)। गोल अनरसे बनाने के लिए आटे से छोटी छोटी लोइयां लेकर, तिल में लपेट कर, गोल करके, 4-5 अनरसे कढ़ाई में डालिए, करछी से हिला डुला कर ब्राउन होने तक तल लीजिए, तले हुए अनरसे प्लेट में नैपकिन पेपर बिछा कर रखिए और अनरसे बनाकर फिर से घी में डालिए इन्हें भी तल कर निकाल लीजिए, इसी तरह सारे आटे से अनरसे बनाकर तैयार कर लीजिए। गरमा गरम अनरसे तैयार हैं। आप इन अनरसों को अभी खाइए बहुत स्वादिष्ट बने हैं। ठंडे होने पर कन्टेनर में भरकर रख दीजिए और फिर 15 दिन तक कभी भी खाइए। अनरसे को तलते समय आग न तो अधिक धीमी रहे, धीमी आग पर तलने से अनरसे सख्त हो जाते हैं, और न अधिक तेज, तेज आग पर वे अंदर से कच्चे रह जाते हैं। मीडियम आग पर अनरसे तलें तो अनरसे ज्यादा सख्त नहीं बनते, अच्छे बनते हैं।

बेसन लड्डू

सामग्री

बेसन - 2 कप (200 ग्राम)
तगार - 1.5 कप (225 ग्राम)
घी - 1 कप (200 ग्राम)
बादाम - 25 (40 ग्राम)
काजू - 25 (40 ग्राम)
इलायची पाउडर - आधी छोटी चम्मच
पिस्ते - गार्निश के लिए

विधि

कढ़ाई में घी डाल दीजिए और 50 ग्राम घी बचा लीजिए। जिसे हम बाद में यूज करेंगे। घी के मेल्ट होने पर बेसन डाल कर कलछी से लगातार चलाते हुए बेसन भूनिए, जब बेसन का रंग हल्का ब्राउन होने लगे और बेसन से अच्छी सुगंध आने लगे तो उसमें एक टेबल स्पून पानी के छींटे लगा दीजिए। बेसन को तब तक भूनें जब तक की इसमें से झाग खतम न हो जाए। झाग खत्म होने पर बेसन भून कर तैयार है। आग बंद कर दीजिए। भूने हुए बेसन को ठंडा करने के लिए अलग से प्लेट में निकाल लीजिए। काजू और बादाम को बारीक काट कर तैयार कर लीजिए। पिस्तों को भी पतला पतला कतर लीजिए। बेसन के हल्का ठंडा होने पर इसमें कटे हुए काजू बादाम डाल कर मिक्स कर लिजिए। इलायची पाउडर और बूरा (तगार) डाल कर अच्छे से मिक्स कर लीजिए। लड्डू बनाने के लिए मिश्रण तैयार है। मिश्रण में से थोड़ा सा मिश्रण लेकर गोल-गोल लड्डू बना लीजिए। लड्डू के ऊपर कतरे हुए पिस्ते सजा दीजिए। बेसन के लड्डू तैयार है। लड्डू को 6-7 घंटे तक हवा में ही रहने दीजिए। लड्डू खुश्क हो जाएंगे फिर लड्डूयों को एअर टाइट कन्टेनर में भरकर रख लीजिए और 2 - 3 महिने भर तक कभी भी खाइए।

गर्मी और लू के दौरान ऐसे रखें फेस का ध्यान

गर्मी का मौसम शुरू होते ही लू चलने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। लगातार तापमान बढ़ रहा है, ऐसे में त्वचा सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। इस मौसम में आप अपनी स्किन में कैसे ग्लो ला सकती हैं, इसके लिए जानें आसान टिप्सः

धूप में न निकलेंः गर्मी में धूप की किरणें स्किन को काफी प्रभावित करती हैं। ऐसे में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच धूप में बाहर निकलने से बचें। इस समय धूप में निकलने से सनबर्न या सनटैनिंग का खतरा हो सकता है। फिर भी अगर घर से निकलना जरूरी हो तो स्किन पर सनस्क्रीन लोशन (SPF-30) लगाकर ही निकलना चाहिए। इसके अलावा बाहर निकलते वक्त मुंह और हाथों को कवर करके रखें।

स्क्रब से आता है ग्लो : फेस की नमी कायम रखने के लिए कम से कम दिन में दो बार चेहरे को लींजर या वॉटर बेस्ड मॉइश्चराइजर से धोएं। इससे फेस तरोताजा रहेगा। इसके अलावा स्क्रब करना भी न भूलें। इससे स्किन की सभी मृत कोशिकाएं खत्म हो जाती हैं और स्किन तरोताजा हो जाती है। स्क्रब से चेहरे में रक्त संचार भी बढ़ता है,

जिससे फेस ग्लो करता है।

नींद से आएगा निखार : गर्मी में अगर आप रोजाना एक अच्छी नींद लेंगी तो इसका पॉजिटिव असर आपकी बॉडी पर पड़ेगा। दिन में कम से कम 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। ऐसा करने से स्किन निखरने लगेगी और गर्मी का असर भी स्किन पर नहीं पड़ेगा। वैसे इसके लिए आपको अपनी डाइट का भी पूरा ध्यान रखना होगा।

पानी पीते रहें : पसीना ज्यादा निकलने से शरीर के साथ स्किन भी डिहाइड्रेटेड हो जाती है। इसका असर यह होता है कि स्किन अपनी नमी और ग्लो दोनों खो देती है। इसके लिए दिन में कम से कम 10 ग्लास पानी पीने की आदत डालें। इसके अलावा लस्सी, दही व नींबू पानी भी पीते रहें। इस मौसम में ऑयल बेस्ड मॉइस्चराइजर इस्तेमाल न करें। इसके स्थान पर वॉटर बेस्ड मॉइस्चराइजर यूज करें।

फल व सलाद खाएं : इस मौसम में ऑयली और भारी भोजन नहीं करना चाहिए। दिन में ज्यादातर फल और सलाद खाएं। इससे बॉडी को एनर्जी मिलती है और स्किन को नमी। इससे चेहरा फ्रेश भी लगता है। गर्मी के मौसम में कैफीन युक्त ड्रिंस से परहेज करना चाहिए, इसलिए चाय या कॉफी का बिलकुल सेवन न करें। यह भी स्किन को नुकसान पहुंचाती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)